श्रावण कृष्ण पक्ष 3 संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 10 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 जुलाई 2025 रविवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## मानसून सत्र की रणनीति पर सोनिया ने बुलाई बैठक

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई है। पार्टी सुत्रों के अनुसार, श्रीमती गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर बुलायी गयी इस बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे। बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी द्वारा अपनायी जानेवाली रणनीति और इसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस पिछले कुछ समय से पहलगाम में आतंकवादी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद इसकी जानकारी देने के लिए विभिन्न देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों को लेकर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करती रही है।

## पहाड़ी गुफा में रूसी महिला का दो बच्चों संग रेस्क्यू

**बेंगलुरु।** कर्नाटक पुलिस ने उत्तरा कन्नड़ जिले के कुमता तालुक में एक गुफा में एक रूसी महिला और उसके दो बेटियों को रेस्क्यू किया है। भारतीय अध्यात्म से प्रभावित रूसी महिला नीना कुटिना रामतीर्थ पहाड़ियों में गुफा बनाकर बेटियां प्रेया (6) और अमा (4) के साथ रह रही थी। पुलिस के अनुसार, नीना का वीजा 2017 में खत्म हो चुका है। उसे वापस रूस भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल नीना और उसके बच्चों को बांकीकोडला गांव के एक आश्रम में शिफ्ट किया गया है। दरअसल, रामतीर्थ की पहाड़ियों में हाल में लैंड स्लाइडिंग हुई थी। इसके बाद पुलिस इलाके में गश्त पर थी। तभी लैड स्लाइडिंग वाले इलाके में एक गुफा के बाहर कपड़े लटके हुए देखे। जब वे वहां गए, तो उन्होंने नीना कुटीना को उसके बच्चों प्रेया और अमा के साथ पाया। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात थी कि वह और उसके बच्चे जंगल में कैसे जीवित रहे और उन्होंने क्या खाया?

## बेटी के साथ रेप नहीं, ऑटो से गिरकर घायल: पिता का दावा

**कोलकाता।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट परिसर में हुई रेप की घटना में अब नया खुलासा हुआ है। पीड़ित के पिता ने कहा कि मेरी बेटी का रेप नहीं हुआ है। वह तो ऑटो से गिरकर बेहोश हो गई थी। पिता का दावा है कि बेटी ने किसी के दबाव में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना 11 जुलाई की बताई जाती है। पीड़ित की शिकायत के मुताबिक, वह पेशे से काउंसलर है। आरोपी ने उसे काउंसलिंग के लिए हॉस्टल बुलाया। वहां नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ रेप किया गया। पुलिस ने एमबीए लॉस्ट ईयर के छात्र महावीर टोप्पन्नावर उर्फ परमानंद जैन को अरेस्ट किया था। उसे 19 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

## इजरायली सेना ने गाजा में 110 फिलिस्तीनियों की हत्या की

**यरूशलम।** इजरायली बलों ने शनिवार को गाजा में हमला कर कम से कम 110 फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी, जिनमें दक्षिणी राफा में अमेरिका समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) में खाद्य की प्रतीक्षा कर रहे 34 लोग भी शामिल हैं। यह जानकारी अल जजीरा ने चिकित्सा सुत्रों के हवाले से रविवार को दी। ये हत्याएं कतर में संघर्षविराम वार्ता में प्रगति रुकने और इजरायल की योजना पर बढ़ती निंदा के बीच हुई है जिससे पूरी आबादी को मजबूरन स्थानांतरित किया जाना है। राफा में, जीवित बचे लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजरायली बलों ने जीएचएफ स्थलों में से एक अल-शकौश क्षेत्र में फिलिस्तीनियों पर सीधे गोलीबारी की, जिसकी संयुक्त राष्ट्र और अधिकार समूहों ने मानव बूचड़खाने और मौत के जाल के रूप में निंदा की है। गाजा में डॉक्टरों के अनुसार, मई के अंत में अपने ऑपरेशनों की शुरुआत के बाद से जीएचएफ स्थलों पर 800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 5,000 अन्य घायल हुए हैं। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया में दो आवासीय भवनों पर भी हमला किया, जिसमें 15 लोग मारे गए।

### 6 दिन की विदेश यात्रा : मुख्यमंत्री अफसरों संग यात्रा के पहले पड़ाव पर

# रेत में सोने की तलाश... प्रवासियों-उद्योगपतियों संग संवाद से सीएम की दुबई यात्रा की शुरूआत

**नई दिल्ली/ भोपाल दोपहर मेट्रो।**

मुख्यमंत्री मोहन यादव ब्रांड मप्र को मजबूत करने दुबई पहुंच गये हैं, यहां से वे स्पेन भी जाएंगे। वे दिल्ली से आज रवाना हुए और यात्रा के पहले दिन दुबई में मप्र समेत देश के प्रवासी भारतीयों से संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में होंगे शामिल हो रहे हैं। प्रवासी भारतीयों, उद्योगपतियों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद की श्रृंखला की शुरूआत हुई है। यादव इसमें मप्र के नवाचार, निवेश और संस्कृति से जुड़े विविध पहलुओं को सामने रख रहे हैं। वे दुबई यात्रा के पहले दिन मध्यप्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और वैश्विक पहचान को मजबूत करने वाले कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

आज सीएम के दिन की शुरुआत दुबई के होटल अटलांटिस में 'ब्रांड मध्यप्रदेश' कार्यक्रम से हुई। इस दौरान मप्र की उपलब्धियों, निवेश अवसरों और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाली प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। यहां मध्यप्रदेश की

विविधता और क्षमताओं को दर्शाने वाली थीम प्रदर्शनी भी लगी। मुख्यमंत्री इसके बाद दुबई में मध्यप्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद करेंगे। इस संवाद में वे उन्हें प्रदेश के निवेश अवसरों, अधोसंरचना, जन-कल्याणकारी योजनाओं और वैश्विक भागीदारी के लिए तैयार नई व्यवस्था से अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रवासी प्रतिभाओं को राज्य के विकास से

जोड़ने के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी देंगे।

निवेश पर नजरें उद्योगपतियों से मुलाकात- मुख्यमंत्री दुबई में सक्रिय भारतीय मूल के प्रमुख उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। इस दौरान ईएसडीएम, फार्मा, टेक्सटाइल, ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य संभावित क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा का कार्यक्रम है। उनका मानना है कि उद्योगों को पारदर्शी नीति, आवश्यक अधोसंरचना और सरकार की सक्रिय भागीदारी के साथ मजबूत समर्थन से अवगत कराया जायेगा। निवेश संवाद में मप्र के पीएम मित्र पार्क, लॉजिस्टिक्स हब, ग्रीन एनर्जी ज़ोन और 'एक जिला-एक उत्पाद' जैसी पहलों की जानकारी दी जाना हैं। मुख्यमंत्री आज दुबई के प्रमुख उद्योगपति, प्रवासी भारतीय और प्रतिनिधियों को रात्रिभोज भी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की लोक-संस्कृति से जुड़े विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस आयोजन में लोकनृत्य, गीत, बटिक प्रिंट और अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया जाएगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर प्रवासी भारतीयों को राज्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जुड़ने का संदेश भी देंगे।

### विदेश यात्रा के पीछे छिपा है मकसद

सीएम की इस विदेश यात्रा में शुरूआती तीन दिन दुबई में बीतेंगे और बाकी तीन दिन वे स्पेन में रहेंगे। उनके साथ अफसरों का एक दल भी गया है, इसमें सीएम सचिवालय के एसीएस नीरज मंडलोई समेत अन्य अफसर शामिल हैं। पूरा मकसद मध्यप्रदेश में निवेश पर रखा गया है। उल्लेखनीय है कि सीएम नवंबर 2024 में यूके व जर्मनी की यात्रा कर चुके हैं, उसके बाद जनवरी 2025 में चार दिन के लिए जापान भी गए थे। वहां भी उन्होंने तीनों देशों के साथ औद्योगिक निवेश पर बातचीत की थी, इसका असर भोपाल के मानव संग्रहालय में 24 व 25 फरवरी को हुई ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में देखने को भी मिला था। तब इन देशों से निवेशक शामिल हुए थे। पहली विदेश यात्रा में मप्र को लंदन के 12 प्रमुख औद्योगिक घरानों ने 59 हजार 350 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले थे जबकि जर्मनी यात्रा में भी सीएम ने 12 प्रमुख औद्योगिक घरानों के प्रमुखों से मिले थे, वन-टू-वन बातचीत की थे। जिसमें 17 हजार 890 करोड़ के निवेस का भरोसा मिला था।

### बांधों के गेट खुले, बुंदेलखंड में हालात खराब

## सड़कों पर पानी का सैलाब नावें चलीं, कई लोग बेघर

**भोपाल दोपहर मेट्रो।**

पिछले कई दिनों से मप्र में भारी बारिश के चलते रीवा, सतना और छतरपुर समेत 5 जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। खजुराहो में 9 घंटे में 6.3 इंच बारिश हुई। छतरपुर के नौगांव में 3.4 इंच पानी बरसा। चित्रकूट में लोगों को नाव से रेस्क्यू किया गया। यहां बाणसागर डैम के 7 गेट खोले गए। बरगी डैम के 5 गेट खोलने पड़े। इस वक्त बुंदेलखंड में हालात बेहद बिगडे हुए हैं। अधिकांश समय अवर्षा और सूखा का सामना करने वाला बुंदेलखंड इन दिनों अत्याधिक वर्षा से बेहाल है 7 वर्षा ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं, बुंदेलखंड में बने अधिकाँश बांधों के गेट खोल दिए गए हैं, तालाब लबालब हैं, तालाब के भराव क्षेत्र में बने घरों में पानी भरा हुआ है।

जिला मुख्यालय का संपर्क भी कई इलाकों से कट गया है। इस बीच प्रशासन ने बाढ़ में फसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला बारिश ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी है।

### कई राज्यों में अफरातफरी

भारी बारिश से कई राज्यों के हिस्से में अफरातफरी है। झारखंड के सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा जिलों में बिजली गिरने से 2 मौत हो गई। बिहार में भी बिजली गिरने से एक महिला की मौत हुई। राजस्थान के झालावाड़, धौलपुर, करौली और अलवर में तेज बरसात हुई। झालावाड़ में तीन बच्चे डूब गए, दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक की तलाश जारी है। हिमाचल के मंडी जिले में भारी बारिश जारी है। पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ पर लैंडस्लाइड हुई। चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया।

## 17 करोड़ बोतलें बेचीं, शराब ने भर दिया सरकार का खजाना

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के निगमों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में लगभग 16.96 करोड़ शराब की बोतलें बेचीं, जिससे 2,662 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई हुई। अधिकारियों कहा है कि यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बेची गई शराब की बोतलों की संख्या से एक करोड़ से अधिक है। दिल्ली राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम ने अप्रैल-जून तिमाही में विभिन्न प्रकार की शराब की

सर्वाधिक 5.29 करोड़ बोतलों की बिक्री दर्ज की है। आंकड़ों के अनुसार, इसके बाद दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम ने पांच करोड़ बोतलें, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने 3.65 करोड़ बोतलें तथा दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक भंडार 2.91 करोड़ बोतलें बेचीं। गौरतलब है कि दिल्ली में खुदरा शराब बिक्री सरकार की उक्त चारों एजेंसियां ही करती है। ये एजेंसियां 700 से अधिक दुकानों का संचालन करती हैं।

## मध्यप्रदेश ने स्वच्छता में फिर रचा इतिहास : यादव

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मु यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्यप्रदेश के आठ शहरों के नामांकित होने पर आज कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। मु यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को इसके लिए बधाई प्रेषित की। इसके साथ ही विदेश यात्रा पर रवाना होने के पहले उन्होंने अपने बयान में कहा कि राज्य ने इस क्षेत्र में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। देश भर में हुए मिशन 2024 के स्वच्छता सर्वे में इंदौर ने नई श्रेणी में भी पहला स्थान प्राप्त करते हुए लगातार 8वीं बार पहला स्थान हासिल किया है। वहीं 3 से 10 लाख की जनसं या श्रेणी में उज्जैन देश भर में नंबर वन पर रहा है। मु यमंत्री ने पूरे प्रदेशवासियों, नगर निकायों, स्वच्छता कर्मियों, महापौरों, पार्षदों और आम जनता को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी इस गौरव को साझा करेंगी।

## निकम समेत राज्यसभा के लिए 4 नए सदस्यों का मनोनयन

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार नए सदस्यों को मनोनीत किया है। इनमें उज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टे, हर्षवर्धन श्रृंगला और मीनाक्षी जैन के नाम हैं। उल्लेखनीय है कि निकम एक मशहूर वकील हैं।

उन्होंने 1993 के मुंबई बम धमाकों, गुलशन कुमार हत्याकांड, प्रमोद महाजन हत्या, 26/11 मुंबई हमलों में अजमल कसाब का मुकदमा, और 2016 के कोपर्डी बलात्कार कांड जैसे दर्जनों हाई-प्रोफाइल मामलों में अभियोजन का नेतृत्व किया है। जबकि सदानंदन मास्टे केरल के समाजसेवी और शिक्षाविद हैं। एक राजनीतिक हमले में अपने दोनों पैर गंवाने के बावजूद उन्होंने समाजसेवा और शिक्षा को अपने जीवन का मकसद बनाया।

हर्षवर्धन श्रृंगला भारत के पूर्व विदेश सचिव हैं हाल ही में उन्होंने भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान मुख्य समन्वयक की भूमिका निभाई। तथा मीनाक्षी जैन एक प्रसिद्ध इतिहासकार और शिक्षाविद हैं।भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर उनके शोध कार्य को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। वह 'सती', 'राम और अयोध्या', तथा 'फ्लाइट ऑफ डीइटीज़' जैसी प्रसिद्ध पुस्तकों की लेखिका हैं।

पहले के मनोनीत सदस्यों के रिटायर होने से ये पद खाली थे। राष्ट्रपति को संविधान के अनुसार राज्यसभा में सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है।

### मेट्रो एंकर | मप्र में अजब निर्माण से किरकरी के बाद 15 तक स्टडी को कहा

# जगहंसाई के बाद अब इंजीनियर्स की परीक्षा लेगा पीडब्ल्यूडी

**भोपाल दोपहर मेट्रो।**

मप्र में अजब निर्माण से देशभर में सुखियों में आए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स को अब बकायदा क्लास में हाजिरी देनी होगी। मध्यप्रदेश के भोपाल में निर्मित 90 डिग्री टर्न वाला रेलवे ओवरब्रिज और इंदौर में भी जेड आकार का ब्रिज चर्चा मे आने के बाद विभाग बैकफुट पर है। प्रदेश में कई जगहों से सड़क, पुल, भवनों के निर्माण में ऐसी गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसके चलते अब लोक निर्माण विभागके इंजीनियरों को कंस्ट्रक्शन वर्क के रूल्स पढ़ाने की तैयारी की गई है। इंजीनियर्स को निर्माण की नई तकनीकों की स्टडी कराई जाएगी। विभागीय परीक्षा भी उन्हें पास करना

पड़ेगी। इस परीक्षा में मिले नंबरों के आधार पर फील्ड में पोस्टिंग दी जाएगी और जवाबदारी के काम सौंपे जाएंगे। 15 अगस्त के बाद आयोजित होने वाली परीक्षा में कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री स्तर के इंजीनियर्स शामिल होंगे। जबकि चीफ इंजीनियर और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर को सिर्फ स्टडी करनी होगी।

दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने भवन, सड़क और पुल बनाने के मामले में मापदंडों का पालन नहीं किए जाने पर इंजीनियरों पर सख्ती की तैयारी की है। विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने हालिया निर्देश में कहा है कि प्रदेश में कई स्थानों पर भवन, सड़क और पुल बनाने का काम किया जा रहा है। सड़कों की क्वालिटी में गड़बड़ी न हो और निर्माण कार्य में टिकाऊपन बना रहे। सुरक्षा मानकों का पालन पूरी तरह से होना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि इंडियन रोड कांग्रेस और नेशनल बिल्डिंग कोड के साथ भारतीय मानक कोड के आधार पर काम करना होगा। विभाग के सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को मानकों का दोबारा और अच्छे से अध्ययन करना जरूरी होगा।

### पोस्टिंग का आधार भी परीक्षा

फिलहाल तो अब सभी इंजीनियर को 15 अगस्त तक बताए गए स्टडी मटेरियल का अध्ययन करना है ताकि भविष्य में होने वाले कंस्ट्रक्शन में इस आधार पर काम कराए जा सकें। माना जा रहा है कि परीक्षा के परिणाम इंजीनियर्स की भावी पदस्थापनाओं में भी आधार बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि लोनिवि के भोपाल और इंदौर में बने पुल का डिजाइन देशभर में चटखारे लेने का विषय बन गया है। यह 90 डिग्री मोड के चलते खतरनाक है तथा विभाग इसका डिजाइन बदल रहा है। प्रमुख शहरों में सड़कों की हालत भी खस्ता है।

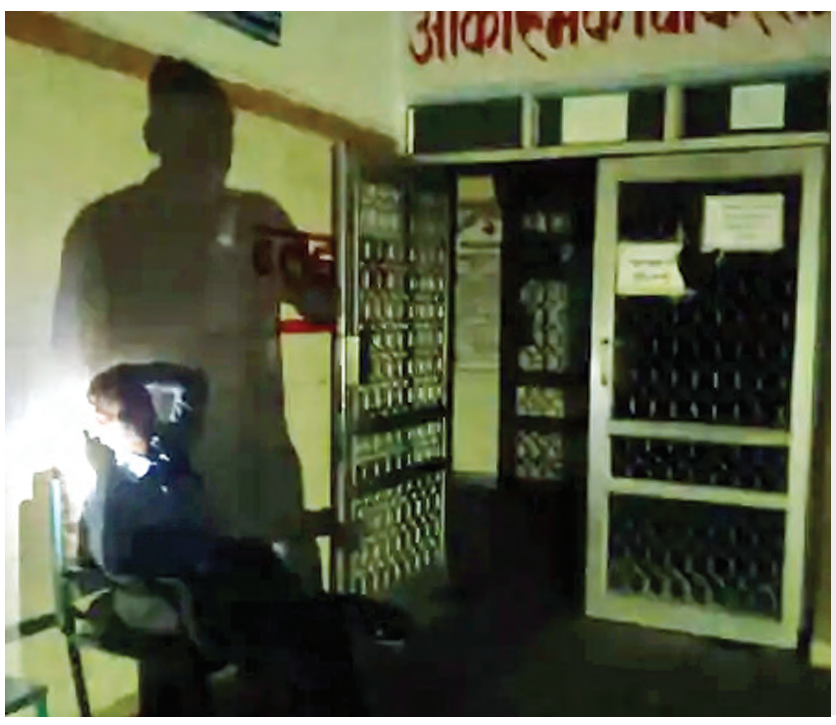

### मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने किया औचक निरीक्षण

# 20 करोड़ से बने अस्पताल पर लटका मिला ताला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में स्थित सिविल अस्पताल 20 करोड़ रुपए खर्च कर आधुनिक सुविधाओं के साथ बनाया गया है। लेकिन, मरीजों तक यह सुविधा नहीं पहुंच पा रही है। यह बात शनिवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनीष शर्मा के औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई। रात करीब 10 बजे डॉ. शर्मा अस्पताल पहुंचे तो गेट पर ताला लगा हुआ मिला। अस्पताल में सिर्फ एक गार्ड मौजूद था, जबकि यहां 40 लोगों का स्टाफ तैनात किया गया है।

## गार्ड ने कहा-अनहोनी न हो, इसलिए बंद रखते हैं अस्पताल

इसकी वजह पूछने पर गार्ड ने कहा कि परिसर में बड़ी-बड़ी घास उग आई है और रात में अंधेरा होने की वजह से कोई अनहोनी न हो, इसलिए अस्पताल बंद कर देते हैं। इस जवाब पर सीएमएचओ नाराज हो गए। उन्होंने अस्पताल प्रभारी को फोन पर अस्पताल रोज 24 घंटे खोलने के निर्देश दिए।

## 10 डॉक्टर हैं पदस्थ

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अस्पताल में 10 डॉक्टर, 20 नर्स, 4 फार्मासिस्ट सहित 40 से ज्यादा कर्मचारी पदस्थ हैं। इनकी 8-8 घंटे की शिफ्ट लगाकर अस्पताल को 24 घंटे चालू रखने की व्यवस्था बनाई गई थी। लेकिन असलियत यह है कि शाम 6 बजे के बाद ही अस्पताल बंद कर दिया जा रहा है। सीएमएचओ ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए अधीक्षक सहित पूरे स्टाफ को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए हैं।

## गांधीनगर अस्पताल में भी गड़बड़ी

औचक निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर भी पहुंचे। यहां रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर देर से पहुंचे थे और रिलीविंग डॉक्टर उनके आने से पहले ही चले गए थे। इस पर सीएमएचओ ने खंड चिकित्सा अधिकारी को संबंधित डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

# टैक्सी व ऑटोरिक्शा कल बंद, मुसाफिरों की बढ़ेगी दिक्कत

**भोपाल।** राजधानी में कल टैक्सी और ऑटो सेवाएं पूरी तरह ठप रहेंगी। टैक्सी यूनियन कल्याण समिति के आह्वान पर सैकड़ों टैक्सी व ऑटो चालक अपनी मांगों को लेकर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक डॉ. अंबेडकर जयंती पार्क प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान शहर की टैक्सी सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी। यूनियन ने कहा है कि ओला, उबर और रैपिडो जैसी निजी सेवा प्रदाता कंपनियों से जुड़े 2500 से अधिक टैक्सी चालक और 2000 से ज्यादा ऑटो चालक विरोध में शामिल होंगे। कई शिकायतों को लेकर होगा धरना प्रदर्शन माना जा रहा है कि इस आंदोलन का असर भोपाल रेलवे स्टेशन, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, संत हिरदाराम नगर स्टेशन, हबीबगंज क्षेत्र, बस स्टैंड, और राजा भोज एयरपोर्ट सहित शहर के तमाम प्रमुख यातायात केंद्रों पर पड़ेगा। शहर में टैक्सी और ऑटो के माध्यम से सफर करने वाले हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यूनियन के राष्ट्रीय सचिव नफीसउद्दीन ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन राजधानी सहित प्रदेशभर के टैक्सी चालकों की उपेक्षा और शोषण के खिलाफ है। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा और पुलिस प्रशासन से इसकी विधिवत अनुमति भी ली जा चुकी है। इस यूनियन का कहना है कि भोपाल, रानी कमलापति और संत हिरदाराम नगर जैसे रेलवे स्टेशनों पर टेक्सी चालकों से जबरन 10 रुपए प्रति फेरे की राशि वसूली जा रही है, जबकि प्राइवेट वाहनों को वहां 15 मिनट तक फ्री पार्किंग की सुविधा मिल रही है।

### भारी यातायात वाले मुख्य मार्ग को अपने हाल पर छोड़ा

# बदहाली: अल्पना तिराहा से भारत टॉकीज तक सड़क पैदल चलने लायक भी नहीं

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

**राजधानी के प्रमुख मार्गों में शुमार अल्पना तिराहा से भारत टॉकीज रोड तक की सड़क इस समय बदहाली का शिकार है। बारिश के मौसम में यहां की जर्जर सड़कें वाहन चालकों और राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई हैं। जगह-जगह गड्ढे, टूटी हुई सड़क और अधूरे निर्माण कार्य के कारण भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।**

स्थानीय लोगों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों का कहना है कि निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद धीमी है और संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण उन्हें रोजाना घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। वहीं पैदल चलने वालों को कीचड़ और जलभराव के बीच से गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस सड़क की मरम्मत का कार्य तो शुरू किया गया था, लेकिन काम की गति अत्यंत सुस्त है। न तो पर्याप्त मशीनरी लगाई गई है और न ही श्रमिकों की संख्या पर्याप्त है। इस कारण यह कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आसपास के व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़कों और लगातार ट्रैफिक जाम की वजह से उनका व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। लिहाजा मांग उठ रही है कि प्रशासन जल्द से जल्द निर्माण कार्य को गति दे और सड़क की हालत सुधारकर लोगों को राहत प्रदान करे, ताकि बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं और ट्रैफिक की समस्या से बचा जा सके।

## शहर की कई सड़के खस्ताहाल

बारिश के इस दौर में राजधानी की अनेक मुख्य सड़कों की पोल खोल दी है। इससे आम लोगों को रोज परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। शहर के नए और पुराने हिस्से में स्थितियों का कमोबेश एक जैसी है। अलबत्ता विप क्षेत्र में सड़क बेहतर हालत में है। पिछले साल भी यही हालात बने थे और मंत्री की कड़ी नाराजगी के बाद नगर निगम व लोक निर्माण ने कुछ सड़कों पर पैबंद लगाकर उन्हें चलने लायक बनाया था।

# ब्रेकियल सर्जरी पर देशभर के चिकित्सा विशेषज्ञों ने किया मंथन : एम्स में हुआ सेमिनार

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी को लेकर एम्स में मंथन हुआ है। हालांकि यह घातक तो है लेकिन राहत की बात यह है कि इस गंभीर समस्या का इलाज न केवल संभव है, बल्कि सफल भी हो रहा है। लिहाजा एम्स में राष्ट्रीय सीएमई यानी सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यशाला में देशभर के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह, डीन और कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक की मौजूदगी भी रही। इस दौरान सर्जरी तकनीकों, मूल्यांकन विधियों, और पुनर्वास की रणनीतियों पर चर्चा हुई। विभागाध्यक्ष का कहना है कि विभाग ने गंभीर रूप से झुलसे मरीजों और जन्मजात विकृतियों वाले बच्चों के इलाज में उल्लेखनीय सफलता पाई है। उन्होंने अनुसंधान परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी। आयोजन सचिव ने कहा कि

प्लास्टिक सर्जरी को केवल सुंदरता से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह उन लोगों की जिंदगी संवारती है जो दुर्घटना, जलन, या विकृति के कारण सामाजिक जीवन से कट चुके होते हैं। दरअसल, यह इंजरी तब होती है जब कंधे और गर्दन के बीच से गुजरने वाली मोटी नसों (ब्रैकियल प्लेक्सस) को झटका या खिंचाव लगता है। यह खिंचाव इतना गंभीर होता है कि हाथ की शक्ति और संवेदना खत्म हो सकती है।

ये नसें शरीर के 'केबल कनेक्शन' जैसी होती हैं–एक बार कट जाएं तो हाथ और दिमाग का संपर्क टूट जाता है। डा सिंह ने कहा कि हर साल ऐसे सैकड़ों केस होते हैं, जिनमें लोग सोचते हैं कि अब हाथ कभी काम नहीं करेगा। लेकिन अब टेक्नोलॉजी और सर्जरी से इसे ठीक किया जा रहा है। प्लास्टिक सर्जरी सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि मरीजों की कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता लौटाने का एक माध्यम है।

# सावन की शुरुआत झडी के साथ

**भोपाल।** सावन मास शुरू हो गया है और शहर में सावन में बारिश का ट्रेंड अब तक अच्छा रहा है। 10 साल में सिर्फ 3 बार श्रावण मास में कम बारिश हुई। 7 साल सावन ने शहर को खूब भिगोया। पिछले साल सीजन के कोटे की आधी से ज्यादा बारिश सावन में ही हो गई थी। 6 साल पहले तो सावन में ही सीजन का 80त्न पानी बरस गया था। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के मुताबिक इन 10 वर्षों में सावन मास में सबसे ज्यादा बारिश 2019 में हुई थी। सावन के पहले दिन शुक्रवार को शहर में दिनभर मौसम साफ रहा। शाम ढलने से पहले अचानक मौसम बदला। फिर नए शहर में आधा घंटे में ही आधा घंटे बारिश हो गई। शनिवार दोपहर से शाम तक कई बार बारिश हुई। रिमझिम बारिश के चलते शुक्रवार की अपेक्षा दिन का तापमान काफी तेजी से गिरा।

**मैट्रो एंकर** वोटिंग से हुआ छात्र संघ का फैसला

# एलवीएस की प्रेरणा और प्रेरणा किरण स्कूल के विनायक बने उपाध्यक्ष

**हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो।**

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल में शनिवार को छात्र परिषद के चुनाव लोकतांत्रिक पद्धति से हुए। विद्यार्थियों ने अपने पसंद के उम्मीदवारों को चुनने के लिए वोट डाले।

नामांकन, प्रचार और मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुने हुए पदाधिकारियों के नामों का ऐलान किया गया। वोटिंग से पहले सभी उम्मीदवारों ने अपने पक्ष में मतदान के लिए प्रचार किया, जिसमें उन्होंने अपना नाम, पद और अपने कार्यों की जानकारी दी। गुप्त मतदान के जरिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार को चुना। पूरी चुनाव प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हुई।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय में रूबी बंसल और रेखा सिंह, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल में पंकज उपाध्याय ने चुनाव अधिकारी थे। ब्रजकिशोर मालवीय और उनकी टीम ने चुनाव

प्रक्रिया पूरी कराई।

## यह चुने गए पदाधिकारी

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ स्कूलः अध्यक्ष- प्रेरणा सिंह, उपाध्यक्ष- मोनिका मारन, महासचिव- मानसी भारती, सचिव- सुष्मिता, सांस्कृतिक सचिव- स्तुति पाटीदार, मनोरंजन सचिव- प्रगति मिश्रा, भ्रमण सचिव- आरूही, वाणिज्य सचिव- समीक्षा घोषी, विज्ञान सचिव- योगिता मोतियानी, पुस्तकालय सचिव- राधिका साहू, अनुशासन सचिव- मिष्ठी राजपूत, क्रीड़ा सचिव- निहारिका नागर, स्वच्छता सचिव- रेणुका पवार एवं प्रार्थना सचिव- नवनीत कौर।

प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल - अध्यक्ष- विनायक शर्मा, उपाध्यक्ष- गीतेश साहू, महासचिव- नैतिक मारन्, सचिव- समीर कहार, सांस्कृतिक सचिव- शौर्य पाटकर, मनोरंजन सचिव- धनंजय कहार, भ्रमण सचिव- हेमंत मीणा, वाणिज्य सचिव- अभिषेक दुबे, विज्ञान सचिव- अजय पाण्डे, पुस्तकालय सचिव- अतुल रजक, अनुशासन सचिव- प्रभात चौकसे, क्रीड़ा सचिव- गगन धाकड़, स्वच्छता सचिव- परमप्रकाश मीणा, स्वास्थ्य सचिव- राज मेहरा एवं प्रार्थना सचिव- नमन सिंह ठाकुर।

## झूलेलाल मंदिर में शिक्षण सामग्री का वितरण

हिरदाराम नगर। श्री झूलेलाल सांस्कृतिक उत्सव समिति, संत नगर ने शनिवार को विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। साधु वासवानी स्कूल, के.टी. शाहानी स्कूल और संत प्रेम प्रकाश स्कूल के बच्चों का शिक्षण सामग्री दी गई। इस अवसर पर बच्चों ने इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शामिल शिक्षिकाओं ने कहा कि, इस तरह के सेवा कार्यों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पढ़ाई में दिक्कत नहीं आती। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष दिनेश वाधवानी, महासचिव दयाल दास डेटानी, संत नरेश पारदासानी, नरेश पेसवानी, राज मनवानी, ओमप्रकाश रीझवानी सहित अन्य सदस्यगणों ने उपस्थित होकर शिक्षण सामग्री वितरित की।

## मिठी स्कूल में अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक-छात्रों की प्रगति पर जोर

हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। प्राचार्य ने अभिभावकों को छात्रों की प्रगति के लिए अभिभावक और शिक्षकों के निरंतर संवाद को अनिवार्य बताया। प्राचार्य ने विशेष रूप से कक्षा दसवीं के अभिभावकों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के सीबीएसई संशोधित परीक्षा और मूल्यांकन नीति की विस्तृत जानकारी दी। उपप्राचार्या रेखा केवलानी ने विद्यालय द्वारा नियोजित विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, जैसे ब्लूम ओलिंपियाड, इको क्लब की पहल, विज्ञान और वाणिज्य संकाय के छात्रों के शैक्षिक भ्रमण, एनसीसी शिविर में भागीदारी, सिंधी टैलेंट हंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगासन व अन्य प्रतियोगिताओं में छात्रों की सफलताओं का उल्लेख किया।

## बहनों ने मोहन को बांधी राखियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 26वीं किश्त के रूप में 1543.16 करोड़ रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। उज्जैन में आयोजित किए गए राज्यस्तरीय लाडली बहना सम्मेलन में महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखियां भी बांधी।

### स्वच्छ सर्वेक्षण 2024: मप्र के शहरों को मिलेगा सम्मान

# भोपाल, देवास नगर निगम और शाहगंज नगर परिषद को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

**दोहपर मेट्रो, भोपाल।**

केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इन सम्मानों में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिये 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक गरिमामय आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू करेंगी।

### मध्यप्रदेश के आठ शहर होंगे सम्मानित

हर वर्ष की तरह मध्यप्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के आठ शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। इसमें सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों।

### राष्ट्रपति सम्मान

इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए जाएंगे। प्रदेश से इस आयोजन में विभागीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के साथ विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधियों की बड़ी टीम इस आयोजन में शिरकत करेगी।

## इंस्पायर अवार्ड जिला स्तरीय प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

### 104 विद्यार्थियों ने की सहभागिता, कुल 11 मॉडल्स का चयन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के लिए हुआ

**भोपाल।** इंस्पायर अवार्ड योजना अंतर्गत राजधानी में जिला स्तरीय मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में भोपाल, विदिशा और रायसेन जिले के 104 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, कुल 11 मॉडल्स का चयन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी हेतु किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन संभागीय संयुक्त संचालक अरविंद चौरगड़े एवं एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एन के थापक की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक एच एन नेमा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को नवाचार हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ. थापक ने प्रदर्शनी में शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल की सराहना की। प्रदर्शनी का समापन लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक डी एस कुशवाहा एवं जेके मेडिकल कॉलेज के रजिस्टर डॉ. एसके सोनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शी शिक्षकों को राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में मॉडल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हेतु बहुमूल्य सुझाव दिए।

### एसीएस की दो टूक, कहा- इसे चेतावनी समझें

# अब...मंत्रालय के किसी भी हिस्से में आग लगी तो नपेंगे इंजीनियर

**दोहपर मेट्रो, भोपाल।**

**मंत्रालय की पुरानी इमारत के रेनोवेशन की तैयारियों के बीच अब सामान्य प्रशासन विभाग के नवागत एसीएस संजय शुक्ला ने अफसरों को दो टूक कह दिया है कि तीनों भवनों में से किसी में भी आगजनी की कोई घटना हुई तो ठीक नहीं होगा। जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। पुरानी गलतियां दोहरानी नही जाना चाहिए, इसके लिए जो भी प्रबंध करने पड़े, वे करें, उनमें कोई कसर न छोड़े।**

उल्लेखनीय है कि मंत्रालय परिसर में स्थित पुराने भवन का पांचवां माला तैयार हो गया है। मार्च 2024 में उक्त माले का बड़ा हिस्सा जलकर बुरी तरह खाक हो गया था। जिसका रिनोवेशन किया गया है। इसमें लग्जरी केबिन बने हैं जो ज्यादातर आईएएस अफसरों के लिए आवंटित होंगे। एसीएस ने बैठक में पीडब्ल्यूडी के अफसरों से दो टूक कहा- ध्यान रहे। फिर आग नहीं लगनी चाहिए। इसके लिए जो तैयार करनी पड़े वह बैठक व्यवस्था शुरू होने से पहले कर लें। किसी तरह की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। एसीएस ने मंत्रालय का रखरखाव करने वाले विभाग व संबंधित एजेंसियों से साफ कह दिया है कि किसी भी गड़बड़ी के लिए जिम्मेदारी तय होगी, इसलिए कमियों को चिन्हित कर उनमें सुधार कर लें।

मंत्रालय का यह सबसे पुराना भवन है, जिसमें मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय सहित 19 विभागों का कामकाज होता है। बैठक में विभागों के स्थान परिवर्तन पर विचार-विमर्श किया गया। जीर्णोद्धार एवं उन्नयन में अग्निशमन, विद्युत, लिफ्ट, शौचालय, एयर कंडीशन, फर्नीचर की व्यवस्था के प्रबंधन पर जोर दिया। बैठक में संबंधित विभागों के अपर सचिव, उप सचिव सहित कार्यपालन यंत्री आदि शामिल रहे।

### पुराने भवन में लगी से हजारों फाइलें हुई थीं खाक

मंत्रालय के पुराने भवन में 9 मार्च 2024 को आग लग गई थी जिसकी वजह से पांचवे माले का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हुआ था। लाखों फाइलें आग की भेंट चढ़ गई थीं। आग इतनी बड़ी थी कि सेना बुलाने जैसी जरूरतों पर विचार करना पड़ा था। हालांकि बाद में स्थानीय निकायों की टीमों ने ही काबू पा लिया था। गनीमत थी कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई। उक्त् घटना ने सरकार पर सवाल खड़े किए थे। विपक्ष हमलावर हो गया था, आरोप लगाए थे कि सरकार ने गोपनीय दस्तावेज खाक करवा दिए।

### स्कूलों में बच्चों के कम प्रवेश के चलते निर्णय

# फिर चलेगा स्कूल चलें अभियान, 16 से शुरू

**दोहपर मेट्रो, भोपाल।**

**स्कूल शिक्षा विभाग अब 16 जुलाई से 31 जुलाई तक फिर स्कूल चले अभियान चलाएगा। पिछले साल के मुकाबले इस साल सरकारी स्कूलों में बच्चों के एडमिशन कम होने के चलते यह निर्णय विभाग ने लिया है। ?इसलिए अब चाइल्ड ट्रेकिंग एप के माध्यम से डोर टू डोर अभियान चलाकर 6 से 18 साल तक के बच्चों की तलाश की जाएगी।**

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने सभी कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि कक्षा 1 से 12 तक एडमिशन 25 मार्च 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। अब शिक्षा पोर्टल 3.0 की समीक्षा से पता चला है कि अभी भी विद्यालयों में सत्र 2025-26 के टारगेट के अनुसार बच्चों का एडमिशन नहीं हो सका है। यू डाईस में दर्ज रजिस्ट्रेशन की स्थिति से स्पष्ट है कि पिछले कई सालों से सरकारी स्कूलों में बच्चों के एडमिशन में कमी हो रही है। इसलिए सकल नामांकन अनुपात एवं नेट नामांकन अनुपात भी प्रभावित हो रहा है। इसलिए यह आवश्यक है कि स्कूल चले हम अभियान 2025-26 का दूसरा चरण शुरू किया जाए।

### मनरेगा का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

# एक बगिया मां के नाम: परियोजना संचालन के लिए अफसरों की क्लास

**दोहपर मेट्रो, भोपाल।**

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा एक बगिया मां के नाम परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 313 जनपद पंचायत के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, 52 जिलों परियोजना अधिकारी मनरेगा एवं ग्रामीण आजीविका के डीपीएम शामिल हुए। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार, विकास भवन अरेरा हिल्स, भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयुक्त मनरेगा-संचालक वाटर शेड मिशन अवि प्रसाद

एवं आयुक्त एसआरएलएम श्रीमती हर्षिका सिंह ने अधिकारियों को एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के बारे में जानकारी दी और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी एवं डीपीएम एसआरएलएम को संयुक्त रूप से पारदर्शिता के साथ एक बगिया मां के नाम परियोजना के लिए हितग्राहियों का चयन, परियोजना के उद्देश्य और लाभ के बारे में जानकारी दी।

## सुपोषित मध्यप्रदेश' की दिशा में मजबूत क़दम मंत्री निर्मला भूरिया

भोपाल गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश, अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। मंत्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है।

**मेट्रो एंकर**

### 18 जुलाई से आवेदन की शुरूआत होगी

# 31 अगस्त को प्राथमिक शिक्षकों के लिए चयन परीक्षा

**दोहपर मेट्रो, भोपाल।**

प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का आयोजन 31 अगस्त को किया जाएगा। इसको लेकर मप्र कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग और यह परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग में 10150 पद जनजातिया कार्य विभाग 2939 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि 18 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 01 अगस्त 2025 है। आवेदन पत्र में संशोधन करने की प्रारंभिक तिथि भी 18 जुलाई 2025 है, और संशोधन की अंतिम तिथि 06 अगस्त 2025 है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 08:30 बजे से 10:00 बजे तक है। दूसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 01:00 बजे से 02:30 बजे तक रहेगी। इस चयन परीक्षा में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 अथवा 2024 में

निर्धारित प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए परीक्षा शुल्क 500 रुपये है। मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांगजन उम्मीदवारों के लिए यह शुल्क 250 रुपये है। सीधी भर्ती के बैकलॉग पदों के लिए कोई शुल्क देय नहीं होगा। ऑनलाइन आवेदन कियोस्क के माध्यम से भरने वाले उम्मीदवारों को 60 रुपये का पोर्टल शुल्क देना होगा, जबकि रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से फॉर्म भरने पर 20 रुपये का पोर्टल शुल्क लगेगा।

### यह होनी चाहिए पात्रता

शैक्षणिक योग्यता में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ हायर सेकेंडरी या समकक्ष तथा प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्ष का डिप्लोमा या विशेष शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा आवश्यक है । एनसीटीई विनियम 2002 के अनुसार 45 प्रतिशत अंकों के साथ हायर सेकेंडरी और दो वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा डिप्लोमा भी मान्य होगा। स्नातक उपाधि के साथ प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा या 50 : अंकों के साथ हायर सेकेंडरी तथा चार वर्षीय बीईआईईडी भी स्वीकार्य है । अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजन उम्मीदवारों को शैक्षणिक योग्यता के अर्हताकारी अंकों में 5 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

दोपहर मेट्रो

# प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 13 जुलाई 2025 epaper.dopaharmetro.com

## यूएफ के वैज्ञानिकों की नई खोज

# हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग

***नए शोध से पता चलता है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें भी उस क्षेत्र में प्रजातियों का नक्शा बनाने, रोगजनकों को ट्रैक करने और मानव गतिविधि से उत्पन्न होने वाले रासायनिक संकेतों का पता लगाने के लिए पर्याप्त डीएनए होता है।***

■ मुकुल व्यास

यह बात कुछ चौंकाने वाली हो सकती है कि मनुष्य का डीएनए वातावरण में हर जगह मौजूद है। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा (यूएफ) के रिसर्चरों द्वारा किए गए एक अध्ययन में दूरदराज के इलाकों, समुद्रों और नदियों से लेकर हवा तक लगभग हर जगह मानव डीएनए पाया गया है। हम इन सभी जगहों पर खांसते हैं, थूकते हैं या अपने डीएनए को फ्लश करते हैं। रिसर्चरों ने जांच के दौरान लगभग सभी तरह के वातावरण में उच्च क्वालिटी के मानव डीएनए की मौजूदगी देखी। यह आनुवंशिक सामग्री हमारे लिए बहुत उपयोगी हो सकती है।

आयरलैंड की राजधानी डबलिन में किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक सामग्री को शहर के वातावरण में बहते हुए पाया। उन्होंने शहर की हवा में अवैध नशीली दवाओं के निशान भी खोजे। आसपास के वातावरण में मौजूद आनुवंशिक सामग्री को पर्यावरणीय डीएनए या एनवायरमेंटल डीएनए (ईडीएनए) कहा जाता है। हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग छिपे हैं। नए शोध से पता चलता है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें भी उस क्षेत्र में प्रजातियों का नक्शा बनाने, रोगजनकों को ट्रैक करने और मानव गतिविधि से उत्पन्न होने वाले रासायनिक संकेतों का पता लगाने के लिए पर्याप्त डीएनए होता है। इस अध्ययन के प्रोजेक्ट लीडर डेविड डफी की टीम ने यूएफ की विटनी लैबोरेटरी में लुप्तप्राय समुद्री कछुओं और वायरल कैंसर का अध्ययन करने के लिए पर्यावरणीय डीएनए का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। उन्होंने रेत में कछुओं के ट्रैक्स से उपयोगी डीएनए निकाला है। वैज्ञानिकों को पता था कि मानव ईडीएनए उनके कछुओं के नमूनों में मिल सकता है और शायद कई अन्य स्थानों पर भी यह डीएनए मिल सकता है जहां उन्होंने सर्वे किया था। आधुनिक आनुवंशिक सीक्वेंसिंग तकनीक से पर्यावरण के नमूने में प्रत्येक जीव के डीएनए को क्रमबद्ध करना अब आसान हो गया है। रिसर्चरों की टीम को विटनी लैब के आसपास समुद्र और नदियों में, शहर के आसपास और मानव बस्ती से दूर के स्थानों तथा अलग-थलग समुद्र तटों से रेत में अच्छी क्वालिटी वाले मानव डीएनए मिले।

अमेरिका की नेशनल पार्क सर्विस की मदद से किए गए एक परीक्षण में रिसर्चरों ने एक दूरस्थ द्वीप के उस हिस्से की यात्रा की जहां लोग कभी नहीं गए थे। यह स्थान मानव डीएनए से मुक्त था। लेकिन वे इस क्षेत्र में स्वैच्छिक प्रतिभागियों के पैरों के निशान से डीएनए निकालने में सफल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की अनुमति से उनके जीनोम अथवा डीएनए समूह के कुछ हिस्सों को क्रमबद्ध भी किया। वैज्ञानिकों ने एक पशु चिकित्सालय से कमरे की हवा के नमूने भी एकत्र किए। इन नमूनों की मदद से वे कर्मचारियों, एक पशु रोगी और सामान्य पशु विषाणुओं से मेल खाने वाले डीएनए को अलग करने में सफल रहे। डफी ने कहा कि पर्यावरणीय डीएनए में उपलब्ध जानकारी के स्तर को देखते हुए हमने इस बात पर विचार शुरू कर दिया है कि मनुष्यों, वन्यजीवों और अन्य प्रजातियों में इसके संभावित अनुप्रयोग क्या हो सकते हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय की विटनी लैब ने हवा सहित लगभग हर वातावरण से डीएनए निकालने और उसका विश्लेषण करने के अपने तरीकों को व्यापक बनाया है। यह डीएनए सिर्फ सतह पर नहीं रहता। यह हवा में भी स्वतंत्र रूप से मौजूद रहता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि घंटों या कई दिनों तक चलने वाले साधारण एयर फिल्टर बड़ी मात्रा में सूचनात्मक आनुवंशिक सामग्री एकत्र कर सकते हैं। डफी ने कहा, जब हमने शुरुआत की, तो ऐसा लगा कि हवा से डीएनए के बड़े टुकड़े प्राप्त करना मुश्किल होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। हम वास्तव में बहुत सारे सूचनात्मक डीएनए प्राप्त रहे हैं। इसका मतलब है कि आप प्रजातियों को सीधे परेशान किए बगैर उनका अध्ययन कर सकते हैं। इस विधि से एक क्षेत्र में सभी प्रजातियों का एक साथ अध्ययन किया जा सकता है।

डफ़ी की प्रयोगशाला ने डबलिन में हवाई डीएनए संग्रह उपकरण स्थापित किए। उपकरण के फिल्टर ने शहर की हवा में तैर रहे सैकड़ों मानव रोगाणुओं के निशान एकत्र किए जिनमें वायरस और बैक्टीरिया शामिल हैं। इस तरह की निगरानी बीमारी के प्रकोप का जल्दी पता लगाने या आबादी के माध्यम से फैलने वाले संक्रमण को समझने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इस तरीके से मौजूदा तकनीकों की तुलना में पर्यावरणीय एलर्जी का भी अधिक सटीक रूप से पता लगा सकता है। एलर्जी का पता लगाने की क्षमता डॉक्टरों द्वारा रोगियों को सलाह देने के तरीके या सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा चेतावनी जारी करने के तरीके को बदल सकती है।

डफी की टीम ने फ्लोरिडा के जंगलों में भी अपनी विधि का परीक्षण किया। वहां एयर फिल्टर ने छोटे जीव-जंतुओं के डीएनए के नमूने एकत्र किए। खास बात यह थी कि डीएनए ने न केवल इन जानवरों की उपस्थिति का पता लगाया, बल्कि यह भी बताया कि वे कहां से आए थे। ऐसी सटीकता जानवरों के संरक्षण के लिए एक गेम-चेंजर हो सकती है। लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने की कोशिश करते समय, उनकी भौगोलिक उत्पत्ति को जानना उनके वर्तमान स्थान को जानने जितना ही महत्वपूर्ण हो सकता है।

हवा के माध्यम से इस डेटा को ट्रैक करके वैज्ञानिक उन जानवरों का अध्ययन कर सकते हैं जो दुर्लभ हैं या आसानी से दिखाई नहीं देते। हम जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ जैव विविधता को नुकसान के खतरों का भी सामना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में वायुजनित ईडीएनए जैसे टूल वन्यजीवों और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों पर नजर रखने का एक शक्तिशाली तरीका प्रदान करते हैं। एक नमूने का विश्लेषण करके, वैज्ञानिक रोगजनकों, प्रदूषकों, आक्रामक प्रजातियों और लुप्तप्राय जानवरों का पता लगा सकते हैं तथा उचित जवाबी पर्यावरणीय कार्रवाई में तेजी ला सकते हैं।

पर्यावरणीय डीएनए को क्रमबद्ध करने वाले रिसर्चरों का कहना है कि यह सर्वव्यापकता एक वैज्ञानिक वरदान होने के साथ-साथ नैतिक रूप से दुविधाजनक भी है। पर्यावरण से अनजाने में या जानबूझकर एकत्र किए गए मानव डीएनए का दुरुपयोग किया जा सकता है। डफी का कहना है कि नैतिक मानदंडों को ध्यान में रख कर एकत्र किए गए पर्यावरणीय डीएनए के नमूने चिकित्सा, पर्यावरण विज्ञान, पुरातत्व और अपराध विज्ञान जैसे क्षेत्रों को लाभान्वित कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए रिसर्चर मानव डीएनए की जांच करके अपशिष्ट जल से कैंसर के म्यूटेशन को ट्रैक कर सकते हैं या अनदेखे पुरातात्विक स्थलों को खोज सकते हैं। अपराध स्थल की हवा में तैरने वाले डीएनए से संदिग्धों की पहचान की जा सकती है। लेकिन इस स्तर की व्यक्तिगत जानकारी का बेहद सावधानी से उपयोग करना होगा। रेत की ढेरी, पानी की बोतल या किसी व्यक्ति की सांस से दुर्घटनावश या जानबूझकर एकत्र की गई मानव आनुवंशिक जानकारी बड़े नैतिक सवाल खड़ी कर सकती है। पर्यावरणीय डीएनए के जरिए व्यक्तियों की संभावित रूप से पहचान करने की क्षमता के कारण इस तरह की रिसर्च के लिए कड़े नियम आवश्यक हैं।

डीएनए के सीक्वेंस को सार्वजनिक करना विज्ञान में एक मानक परंपरा है। लेकिन इसका मतलब यह भी है कि अगर आप मानव सूचनाओं को अलग नहीं करते हैं तो कोई भी इस जानकारी को हासिल कर सकता है। पर्यावरणीय डीएनए के संग्रह और उपयोग को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देशों की आवश्यकता है। साथ ही इस तरह के डीएनए के संग्रह के लिए सहमति और गोपनीयता भी आवश्यक होगी।

**(साभार : लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं, यह उनके निजी विचार हैं)**

# किसी से आगे निकलने की दौड़ में, हम खुद से पीछे छूट जाते हैं

■ सुंदर चंद ठाकुर

जब हम छोटे थे, हमें सिखाया गया कि अच्छा बनो, होशियार बनो, नंबर लाओ, जीत कर दिखाओ। धीरे-धीरे ये सीख एक आदत में बदल गई और पता भी नहीं चला कि कब ये हमारे मन की एक दौड़ में बदल गई।

दूसरों से आगे निकलने की दौड़। कभी क्लास में पहले आने की, कभी ऑफिस में प्रमोशन की, कभी समाज में इज़्ज़त कमाने की, और कभी अपने ही भाई-बहनों, दोस्तों, रिश्तेदारों से बेहतर दिखने की। पर इस लगातार चलने वाली दौड़ में हम भूल गए कि जिस आत्मा को लेकर निकले थे, वो कहाँ है? हर सुबह उठते हैं और सोचते हैं, किसे पछाड़ना है। हर शाम थककर सोते हैं और गिनते हैं कि कितने पीछे रह गए। ये थकान सिर्फ शरीर की नहीं है, ये आत्मा की थकान है। क्योंकि हमने अपनी गति किसी और की रफ़्तार से बाँध दी है। हम अपने फैसले किसी और की कामयाबी देखकर लेने लगे हैं।

वो किताब क्यों पढ़ रहे हो? क्योंकि सब पढ़ रहे हैं। वो कोर्स क्यों कर रहे हो? क्योंकि उससे नौकरी मिलती है। वो शहर क्यों जा रहे हो? क्योंकि वहाँ ज़्यादा मौके हैं। और धीरे-धीरे हमारी ज़िंदगी, हमारी नहीं रह जाती - वह एक नक़ल बन जाती है, दूसरों के रास्तों की, दूसरों के सपनों की। ऐसा नहीं है कि प्रतिस्पर्धा बुरी चीज़ है। प्रतिस्पर्धा से प्रेरणा मिलती है, चेतना आती है। पर जब प्रतिस्पर्धा अंधी तुलना बन जाती है, तब वह आत्मा को खोखला कर देती है। आपको अगर किसी से आगे ही निकलना है, तो उस 'आप' से निकलिए, जो डरता है, जो टालता है, जो रोज़ कहता है कल से। अपना असली प्रतिद्वंद्वी कोई और नहीं, हमारा ही कल का, हमारा ही पुराना संस्करण है।

आज के इस युग में, जहाँ सोशल मीडिया हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को चमका कर पेश करता है, वहाँ अपने ही भीतर स्थिर रहना एक साधना है। दूसरे ने कौन-सी गाड़ी खरीदी, किसे कौन-सा अवॉर्ड मिला, कौन कहाँ घूमने गया, ये सब देखकर अपने जीवन की दिशा बदल देना, एक ग़लती है। क्योंकि आप जिसे पीछे छोड़ना चाहते हैं, वो कभी आपकी दौड़ में था ही नहीं। हर आत्मा की यात्रा अलग है, हर आत्मा का समय अलग है। जिस दिन आप समझ गए कि आपकी गति का कोई संबंध किसी और की सफलता से नहीं है, उसी दिन आप अपने भीतर लौटने लगेंगे। वो लौटना ही असली आगे बढ़ना है। जो लोग बाहर से बहुत तेज़ दिखते हैं, वे अक्सर भीतर से बहुत थके हुए होते हैं। क्योंकि वो खुद से बहुत दूर चले गए होते हैं।अपने शौक़ खो दिए, अपनी मासूमियत खो दी, अपने विचारों की स्वतंत्रता खो दी। खुशी और संतोष हमेशा भीतर से आते हैं और उनका रास्ता आत्म-साक्षात्कार से होकर जाता है, ना कि तुलना और प्रतियोगिता से।

तो अगली बार जब आपको लगे कि आप पीछे रह गए हैं, ज़रा रुकिए... साँस लीजिए... और खुद से पूछिए - क्या मैं अपनी राह पर चल रहा हूँ, या किसी और की नक़ल कर रहा हूँ? कभी-कभी ज़िंदगी में सबसे ज़रूरी दौड़ वो होती है, जहाँ हम खुद से मिलते हैं। जो खुद से जुड़ गया, उससे कोई आगे नहीं निकल सकता।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

# अस्कल मुर्ग : भारत का रंगीन तीतर और इसकी दुनिया

**अस्कल मुर्ग का वैज्ञानिक नाम गैलोपेरडिक्स लुनुलता है। यह पक्षी तीतर परिवार का सदस्य है और इसकी पहचान इसके चमकदार रंगों से होती है। नर अस्कल मुर्ग के शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं, जबकि मादा का रंग हल्का भूरा होता है।**

■ हिमांशु गुप्ता

क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा तीतर भी है जो अपने सुंदर रंगों और अनोखी आदतों के लिए जाना जाता है? यह है अस्कल मुर्ग, जिसे अंग्रेजी में पेंटेड स्परफाउल कहते हैं। यह पक्षी मुख्यतः भारत के पथरीले और झाड़ीदार जंगलों में पाया जाता है। नर अस्कल मुर्गा के पंख काले, हरे और भूरे रंग के होते हैं, जिन पर सफेद धब्बे होते हैं, जो इसे बहुत ही आकर्षक बनाते हैं। मादा अस्कल मुर्गा भूरे रंग की होती है और नर जितनी रंगीन नहीं होती।अस्कल मुर्ग का वैज्ञानिक नाम गैलोपेरडिक्स लुनुलता है। यह पक्षी तीतर परिवार का सदस्य है और इसकी पहचान इसके चमकदार रंगों से होती है। नर अस्कल मुर्ग के शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं, जबकि मादा का रंग हल्का भूरा होता है। नर के पैरों पर दो से चार नुकीले स्पर (कंट) होते हैं, जबकि मादा के पैरों पर एक या दो स्पर हो सकते हैं।अस्कल मुर्ग का वैज्ञानिक नाम गैलोपेरडिक्स लुनुलता है। यह पक्षी तीतर परिवार का सदस्य है और इसकी पहचान इसके चमकदार रंगों से होती है। नर अस्कल मुर्ग के शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं, जबकि मादा का रंग हल्का भूरा होता है। नर के पैरों पर दो से चार नुकीले स्पर (कंट) होते हैं, जबकि मादा के पैरों पर एक या दो स्पर हो सकते हैं।यह पक्षी आमतौर पर झाड़ीदार और चट्टानी जंगलों में पाया जाता है, जहां यह आसानी से शिकारियों से बच सकता है। यह नल्लमाला पहाड़ियों और आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाटों में भी देखा गया है।

अस्कल मुर्ग आमतौर पर छोटे समूहों या जोड़ों में देखा जाता है। यह पक्षी उड़ने की बजाय तेजी से दौड़कर खतरे से बचता है। इसकी खान-पान की आदतें भी रोचक हैं। यह जंगली फल, कीड़े-मकोड़े और फूलों को खाकर अपना जीवनयापन करता है।

इसका प्रजनन काल जनवरी से जून तक होता है, और नर पक्षी मादा को चोंच में खाना देकर रिझाने की कोशिश करता है। यह पक्षी आमतौर पर एक चट्टान के नीचे या झाड़ियों में घोंसला बनाता है, जहां मादा तीन से चार अंडे देती है। अस्कल मुर्ग की आवाज तेज और विशिष्ट होती है। इसे अक्सर चुक-चुक या चुगुक ध्वनि के रूप में वर्णित किया जाता है। जब यह खतरा महसूस करता है, तो इसकी आवाज़ और तेज हो जाती है। नर पक्षी प्रजनन काल के दौरान एक बुलबुलाने वाली आवाज निकालता है, जिससे वह मादा को आकर्षित करता है। यह पक्षी आमतौर पर सुबह और शाम के समय अधिक सक्रिय होता है और इसी समय इसकी आवाज़ जंगल में गूंजती है।

अस्कल मुर्ग को अभी गंभीर खतरा नहीं है, लेकिन इसके प्राकृतिक आवास में कमी आ रही है। जंगलों की कटाई और शिकार इसके अस्तित्व के लिए चुनौती बन सकते हैं। हमें इसके संरक्षण के लिए जंगलों को बचाने और इसके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को जागरूक करना भी आवश्यक है ताकि वे इस पक्षी के महत्व को समझें और इसके संरक्षण में योगदान दें। सरकार और वन्यजीव संगठनों को संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए ताकि अस्कल मुर्ग की संख्या स्थिर बनी रहे। अस्कल मुर्ग भारत की जैव विविधता का एक अनमोल हिस्सा है। इसकी सुंदरता और अनोखी जीवनशैली इसे खास बनाती है। हमें इस अद्भुत पक्षी को बचाने और इसके संरक्षण में योगदान देने की ज़रूरत है।

तो अगली बार जब आप किसी पथरीले जंगल में जाएं, तो ध्यान दें- शायद कहीं झाड़ियों में अस्कल मुर्ग छिपा हो !

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

### कलेक्टर ने भू अर्जन एवं फार्मर आईडी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

# भू अर्जन एवं फार्मर रजिस्ट्री के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए : कलेक्टर

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शनिवार को जिले में भू अर्जन एवं फार्मर रजिस्ट्री के प्रकरणों की अनुविभागवार समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक भू अर्जन अधिकारी अपने क्षेत्र के लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर निर्धारित समय सीमा में निराकरण करें। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेन्द्र रावत को निर्देश दिए कि कि अपेक्षा अनुरूप प्रगति न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिये कि जिन अनुविभागीय अधिकारियों के पास अधिक संख्या में प्रकरण लंबित हैं उनकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

**'जिन अनुविभागीय अधिकारियों के पास अधिक संख्या में प्रकरण लंबित हैं उनकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर नियमानुसार कार्यवाही की जाए'**

### किसानों का पंजीयन तीन दिन में पूर्ण किया

कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शेष किसानों का पंजीयन आगामी तीन दिवसों में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए फार्मर रजिस्ट्री एवं भू अर्जन के लंबित प्रकरणों का निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत एवं अधीक्षक भू-अभिलेख सुरेखा यादव उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि पूरी गंभीरता से कार्यवाही कर समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

### रिवर व्यू कॉलोनी का मामला

# श्रावण मास में भोलेनाथ मंदिर में पूजा के फरमान से भक्त परेशान

- धार्मिक कार्यक्रमों के लिए प्रबंधन से अनुमति लेना अनिवार्य
- सावन के महीने में मंदिर खुलने का टाइम टेबल भी चस्पा किया

**नर्मदा पुरम , दोपहर मेट्रो**

सावन का महीना शुरू हो गया है। श्रद्धालु भगवान भोले की आराधना में लीन हैं और सुबह , दोपहर , शाम और रात को भगवान के मंदिरों में पूजा पाठ जारी है। लेकिन शहर की रिवर व्यू कॉलोनी में भोलेनाथ के मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक फरमान जारी हुआ है जिससे उनकी आस्था को ठेस पहुंची है।

कॉलोनी प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से कहा है कि वह समय पर मंदिर आए इसके लिए नोटिस लगा दिया गया है । वहीं मंदिर में कार्यक्रम करने के लिए प्रबंधन की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है । श्रद्धालुओं का कहना है कि रिवर व्यू कॉलोनी के प्रबंधन ने सावन के महीने में शिव मंदिर में टाइम टेबल लगाया है। वहीं कार्यक्रम की अनुमति की बात कही है जो सही नहीं है। इन दिनों पूजन पाठ दिन भर चल रहे हैं। श्रद्धालु जब समय मिलता हैं पूजन पाठ में लीन रहते हैं लेकिन रिवर व्यू कॉलोनी के प्रबंधन ने इस प्रकार का फरमान जारी कर श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है। ऐसा नहीं होना चाहिए । शिव मंदिर में तो हर पहर पूजा पाठ की जा सकती है । इसमें अलग-अलग समय में पूजा करने पर अलग-अलग लाभ होते हैं।

### कॉलोनीवासियों ने कहा- यह पूजा के अधिकार को करता है सीमित .

रिवर व्यू कॉलोनी के रहवासियों ने आरोप लगाया गया है कि यह कदम धार्मिक आस्था का अपमान है और भगवान की पूजा अर्चना के अधिकार को सीमित करता है। मांग की गई है कि इस मामले में प्रबंधन पर प्रशासन को कठोर कार्रवाई करना चाहिए। मंदिर के सामने से समय सारणी का पर्चा हटाया जाए। लोगों ने कहा कि इस मामले में स्थानीय प्रशासन और संत समाज से चर्चा की जाएगी और उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी।

बताया जाता है कि रिवर व्यू कॉलोनी सोसायटी की मीटिंग में 21 लोगों की सहमति से अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष , कोषाध्यक्ष चुना गया था, पर एक दो कर्मचारी ने वाट्स एप पर चुनाव करके शुक्ला को अध्यक्ष बना दिया ।

प्रबंधन ने कई फरमान जारी कर दिए जिसमें मंदिर पर महिलाओं को कोई भी धार्मिक कार्यक्रम के लिए कार्यलय से परमिशन लेनी होगी। वहीं दूसरा गेट नहीं खोला जाता। कर्मचारी 6 बजे शाम को गेट पर ताला लगा दिया जाता है।

**इनका कहना है**

मंदिर में हर पहर में पूजा की जा सकती है। मंदिर को बंद नहीं किया जा सकता। सुबह पूजन से साक्षात फल मिलता है , दोपहर को जन्म-जन्म अंतर का और शाम रात को पूजन से पापों का नाश होता है । मंदिर जागृति के लिए बनाए जाते हैं । मंदिर हमेशा खुले रहना चाहिए और कार्यक्रम होते रहना चाहिए । मंदिर में ताला लगाना और अनुमति लेना गलत है।

**-आचार्य सोमेश परसाई** , धर्माचार्य नर्मदापुरम

मामला अभी हमारे संज्ञान में नहीं आया है। हमें जानकारी नहीं है। यदि ऐसा कुछ है तो फिर आगे देखा जाएगा।

**-विजेंद्र रावत** सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम

# जिला स्तरीय निरीक्षण समिति द्वारा बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण

**नर्मदा पुरम , दोपहर मेट्रो**

किशोर न्याय ( बालकों की देखरेख और संरक्षण ) अधिनियम की धारा 54 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति द्वारा 12 जुलाई 2025 को जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने इंदिरा महिला शिक्षा प्रसार समिति शिशु गृह नर्मदापुरम, जीवोदय सोसायटी बालगृह (बालिका) इटारसी एवं महादेव सुंदरम जन कल्याण शिक्षण समिति इटारसी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में निवासरत बच्चों की सुरक्षा, देखभाल, शिक्षा एवं समग्र विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा संस्थाओं के संचालकों एवं संबंधित विभाग प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समिति ने बच्चों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके दस्तावेजों को अद्यतन रखने एवं स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराने के लिए भी सुझाव दिए।

**निरीक्षण दल ने बच्चों की सुरक्षा शिक्षा एवं विकास को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

### अब खेड़ापति हनुमान मंदिर में नहीं सुन पाएंगे प्रतिदिन श्री राम कीर्तन

**नर्मदापुरम।** खेडापति हनुमान मंदिर में प्रतिदिन होने वाला श्री राम कीर्तन अब सुनाई नहीं दे रहा है। इस संबंध में कीर्तन मंडल के सदस्यो ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से कीर्तन का स्थान परिवर्तन किया गया है। नारायण शंकर तिवारी ने बताया कि दिनांक 9/7/2025 से नित्य का श्री राम नाम कीर्तन खेड़ापति हनुमान मंदिर के पीछे श्री राम मंदिर में प्रातः 7:30 बजे से होगा।

### पिपरिया-बनखेड़ी में निःशुल्क साइकिल वितरण

**नर्मदापुरम।** शनिवार को पिपरिया एवं बनखेडी में निशुल्क सायकल वितरण कार्यक्रम का अयोजन किया गया। पिपरिया में सांडिया रोड स्थित कन्या शाला एवं बनखेडी में सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज), में मध्यप्रदेश शासन की निशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत आयोजित विकास खंड स्तरीय निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ष सत्र 2025 -26 के लिये पिपरिया विकास खण्ड की शालाओं की कक्षा 9वी के 303 एवं 6 वी के 242 बच्चों को विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल प्रदाय की गई। बनखेडी विकास खण्ड के 14 हाईस्कूल / हा. से विद्यालय की कक्षा 9वी में प्रवेशित बालक 148 एवं बालिका 209 कुल 357 विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल प्रदान की गई।

### अक्षय दीक्षित की मौत को लेकर पुलिस अधीक्षक से मिला प्रतिनिधि मंडल

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

दो साल पहले11 जून 23 को सड़क दुर्घटना में अक्षय दीक्षित की मौत को लेकर कई सवाल परिजनों के मन मस्तिष्क पर घूम रहे हैं।. दुर्घटना को लेकर हत्या की भी आशंका जताई जा रही है. इस मामले को लेकर अब एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस से मुलाकात कर मामले को लेकर पुनः जांच करने की मांग की है.

प्रतिनिधि मंडल को विश्वास है कि इस जांच के उपरांत सड़क दुर्घटना की वास्तविकता से पर्दा उठेगा. अक्षय के पिता अरुण दीक्षित ने बताया कि मौत पर उठे सवाल के तहत 2 नवंबर 23 को पुलिस अधीक्षक को जांच आवेदन दिया गया जिसके तहत संबंधित के बयान लेकर प्रकरण खत्मा रिपोर्ट के साथ समाप्त कर दिया गया. अरुण दीक्षित ने बताया 9 मई 25 को पुलिस महानिरीक्षक को प्रतिनिधि मंडल के साथ मिलकर एक ज्ञापन सौंपा था जिसके तहत पुलिस महानिरीक्षक द्वारा दिनांक 14 मई 25 को पुलिस अधीक्षक को आवश्यक निर्देश जारी किए गए.अरुण दीक्षित ने बताया कि घटना से संबंधित कुछ ऐसे बिंदु थे जिसके तहत हत्या होने की शंका निर्मित होती है. प्रकरण से संबंधित एक प्रतिनिधि मंडल विगत दिनों पुलिस अधीक्षक से मिला.अरुण दीक्षित द्वारा संपूर्ण जानकारी पुलिस अधीक्षक को देने उपरांत पुलिस अधीक्षक ने आश्वत किया कि प्रकरण रिओपन कर जांच करवाई जाएगी जिसके तहत डीएसपी मोहन सारवन को निर्देश दिए गए. डॉक्टर से संबंधित प्रश्न पर पुलिस अधीक्षक द्वारा कहा गया कि उन पर कार्रवाई करना पुलिस अधिकार क्षेत्र में नहीं है जिसके लिए मेडिकल काउंसिल में आवेदन दिया जाए. प्रतिनिधिमंडल में कृपाल सिंह राजपूत अशोक दीवोलिया जयशंकर तिवारी मोहम्मद अकरम खान ललित मोहन यादव बद्री प्रसाद कौरव रमेश गोप्लानी के एन त्रिपाठी ओपी तिवारीआशीष तिवारी प्रदीप द्विवेदी डॉक्टर प्रदीप जैन डॉ. मयंक तोमर आशीष तिवारी राकेश मेशकर जय बाला निगम सहित अन्य सदस्य उपस्थित हुए।

# पुलिस जांच से अक्षय की मौत के रहस्य से उठेगा पर्दा, एसपी ने डीएसपी को दिए जांच के आदेश

### नर्मदापुरम में 1 जून से अब तक 4785.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

**नर्मदापुरम।** जिले में 1 जून 2025 से आज दिनांक 12 जुलाई को प्रातः 8 बजे तक जिले में 4785.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1721.4 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 12 जुलाई 2025 को प्रात- 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 547.1 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 418.5 मिलीमीटर, इटारसी में 440.4 मिलीमीटर, माखननगर में 365.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 599.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 591.2 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 777.4 मिलीमीटर, पचमढ़ी में 648.0 एवं तहसील डोलरिया में 398.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 949.60 फीट है, तवा जलाशय का 1153.10 फीट है, बरगी जलाशय का 416.50 मीटर एवं बारना जलाशय 345.33 मीटर दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है सेठानी घाट का अधिकतम जल भराव 967 फीट है, तवा जलाशय का अधिकतम जल भराव 1166 फीट है, बरगी जलाशय का जल भराव 422.76 मीटर है तथा बारना जलाशय का अधिकतम जल भराव 348.55 मीटर है।

**मेट्रो एंकर** एचआईवी-एसटीआई-टीबी-हेपेटाइटिस बी व सी की दी गई जानकारी, 67 हितग्राहियों की हुई स्वास्थ्य जांच

# कोरीघाट पर एचआईवी जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित

**नर्मदा पुरम , दोपहर मेट्रो**

ध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के आदेशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी के मार्गदर्शन में प्रियांशी एजुकेशनल कल्चरल एंड सोशल सोसायटी नर्मदापुरम द्वारा कोरीघाट पर हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया।

शिविर में जर्नल पॉपुलेशन, एएनसी महिलाएं एवं एसटीआई पेशेंटों को एचआईवी, एसटीआई, टीबी तथा हेपेटाइटिस बी एवं सी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही 67 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच कर समुचित परामर्श प्रदान किया गया। कैम्प में उपस्थित लोगों को एचआईवी/एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, रोग की रोकथाम एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई एवं जागरूकता सामग्री वितरित की गई।

कैम्प में उपस्थित विशेषज्ञों ने हेल्थ कैम्प में आने वाले हितग्राहियों को एचआईवी/एड्स परामर्श एवं परीक्षण हेतु टोल फ्री नम्बर 1097 के बारे में भी जानकारी दी ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी शंका या समस्या साझा कर सके।

शिविर में डॉ. शुभम सरकार, आईसीटीसी काउंसलर प्रकाश चंद्र यादव, डीआरसी काउंसलर विवेक पटवा, लैब टेक्नीशियन राजेंद्र द्विवेदी, एसएसके प्रोग्राम मैनेजर सुश्री रक्षा शुक्ला, प्रियांशी टीआई प्रोग्राम मैनेजर सुश्री मीनाक्षी बाथरी, ओआरडब्ल्यू ममता मंडल, आशा बाथरी, काउंसलर सुश्री आरती बेलवंशी, ज्योति एवं नारायण विश्वकर्मा की उपस्थिति सराहनीय रही।

# उज्जैन जाकर सीख रहे वैदिक शिक्षा

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

सनातन धर्म संस्कृति के लिए वैदिक शिक्षा और आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने उद्देश्य नगर के ब्राह्मण युवाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने बच्चों को गुरुकुल उज्जैन भेजा गया है जहां पर यह बालक शिक्षा दीक्षा प्राप्त करने के बाद धर्म का प्रसार प्रसार करेंगे इस संबंध में विनोद कुमार सरैया ने बताया कि लोगों को गुरुकुल में जाकर देखना चाहिए किस प्रकार बच्चे कम उम्र मे अपने माता-पिता परिजनों से दूर रह कर वैद विद्या ग्रहण करते हुए अपने कर्तव्य का पालन करते है। प्राचीन भारत में वैदिक शिक्षा के लिए गुरुकुल एक आवासीय विद्यालय प्रणाली थी गुरु के संरक्षण में शिष्यों को शिक्षा दी जाती है। महर्षि कण्व वेद विद्या धाम रत्नाखेड़ी चिंतामण संचालक बालकृष्ण गणेश दत्त शास्त्री के द्वारा संचालित महर्षि कण्व वैद विद्या धाम में राघव सरैया ,जयदीप शर्मा ,राम शर्मा तथा अन्य बटुक वैदिक शिक्षा के साथ ही आधुनिक शिक्षा दोनों सीख सके।

### लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त

# तारादेही के व्यारमा नदी के पुल पर पानी आने से देवरी-महाराजपुर, तारादेही मार्ग हुआ बंद

**दोनों और फंसे रहे दर्जनों वाहन और राहगीर सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची मौके पर लोगों को पुल के पास नहीं जाने किया मना**

तेंदूखेड़ा /तारादेही, दोपहर मेट्रो

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने अब आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के तारादेही ग्राम से निकली व्यारमा नदी पर बने पुल पर पानी आ जाने से पूरी तरह यातायात ठप हो गया इस वजह से तेन्दूखेड़ा तारादेही देवरी महाराजपुर आवाजाही करने वाले राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा पिछले एक सप्ताह से हो रही अनवरत बारिश के कारण व्यारमा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है शनिवार की सुबह 7 बजे टाइगर रिजर्व की सीमा से गुजरी जीवनदायिनी व्यारमा नदी के पुल पर 2 फुट से अधिक पानी आ

गया देखते ही देखते पुल पर लगातार पानी का जलस्तर बढ़ने से दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और मार्ग पर सफर करने वाले राहगीर दोनों तरफ फंसे हुए इस दौरान इस मार्ग पर चलने वाली यात्री बसें भी दोनों तरफ फंसी रही पुल पर पानी आ जाने के के पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए मार्ग पर यातायात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया यह मार्ग न केवल आसपास के दर्जनों ग्रामों को मुख्य सड़क से जोड़ता है बल्कि इस मार्ग से सागर नरसिंहपुर भोपाल सहित अन्य जिलों को भी जोड़ता है वहीं व्यारमा नदी के पुल पर आ जाने के बाद दर्जनों स्कूलों बच्चों को भी परेशान होना पड़ा क्योंकि इस क्षेत्र में मात्र एक तारादेही ग्राम में ही हाईस्कूल है और कालेज के लिए तेन्दूखेड़ा आना पड़ता है लेकिन पुल पर पानी होने के कारण दर्जनों ग्रामों के छात्र छात्राएं तेदूखेड़ा मुख्यालय और तारादेही नहीं पहुंच सके वहीं तेन्दूखेड़ा जबलपुर दमोह जाने के लिए मजबूरन लंबा चक्कर लगाना पड़ जहां शिवलाल खमरिया सर्रा झलौन होते हुए लोग अपने कार्यस्थल तक पहुंचे जिससे उनका कीमती समय ओर पैसा दोनों बर्बाद हुई

### दो दिन से इस मार्ग पर सफर करने वाले राहगीर हो रहे परेशान

वहीं इस मार्ग पर सफर करने वाले लोगों को इस मार्ग पर सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यह मार्ग दो दिन से बाधित हो रहा है बीते शुक्रवार को इस मार्ग पर स्थित तारादेही समनापुर के बीच पड़ने वाले किचऊ की पुलिया पर भी सुबह से पानी आ जाने से दोपहर 2 बजे तक यह मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया था और शनिवार को व्यारमा नदी का पुल डूबने से दो दिनों से इस मार्ग पर चलने वाले वाहनों को और यात्रियों को बड़ी दिक्कतों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं व्यारमा नदी का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आने की उम्मीद होने लगती है क्योंकि इस नदी किनारे दर्जनों गांव लगे हुए हैं लेकिन शनिवार को दोपहर में बारिश थमने और मौसम साफ हो जाने से नदी का जलस्तर घटने से कई ग्रामों में व्यारमा का पानी नहीं पहुंच पाया जिससे बाढ़ की चपेट में आने से गांव बच गए

### कलेक्ट्रेट में महिलाओं के लिए नई सुविधा प्रारंभ

# केंद्रीय मंत्री चौहान ने आंचल कक्ष ब्रेस्ट फीडिंग कॉर्नर का शुभारंभ किया

विदिशा , दोपहर मेट्रो

केंद्रीय कृषि तथा किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज विदिशा कलेक्ट्रेट में बच्चों को स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए आंचल कक्ष ब्रेस्ट फ्रीडिंग कॉर्नर का शुभारंभ फीता काटकर किया। इस अवसर पर एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्य मंत्री एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल भी साथ मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने आंचल कक्ष ब्रेस्ट फ्रीडिंग कॉर्नर का अवलोकन करते हुए जिला प्रशासन के द्वारा किए गए इस नवाचार की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए यह आंचल कक्ष बेहतर कार्य करेगा। समय पर बच्चों को स्तनपालन कराने में सहूलियत होगी। इस व्यवस्था के लिए उन्होंने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग को शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिला प्रशासन की पहल पर स्थापित किए गए आंचल कक्ष की उपयोगिता की जानकारी से अवगत कराया।

केंद्रीय कृषि तथा किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री

### चौहान ने सुपोषण किट का वितरण किया

केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करने के दौरान कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट भी प्रदान की है। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा द्वारा सुपोषण किट में प्रदाय की जाने वाली सामग्री की जानकारी दी। इस दौरान बालिका संप्रेषण गृह द्वारा हस्त निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। अधीक्षक श्रीमती आकांक्षा मरावी द्वारा कलाकृतियों के बारे मे जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण संजीवनी की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

शिवराज सिंह चौहान एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने आज आंचल कक्ष का शुभारंभ करने के उपरांत कलेक्ट्रेट में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किए गए उत्पादों का अवलोकन कर किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की है।

श्री चौहान ने स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों से संवाद करते हुए उनके द्वारा जारी गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनकी आय में किस तरह वृद्धि हो के लिए संबंधित विभाग को दिशा-निर्देश भी दिए। कलेक्ट्रेट में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण विभाग, नाबार्ड, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, विंध्य हर्बल उत्पाद श्रृंखला, मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, कुरवाई महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और पोषण संजीवनी अभियान के बैनर तले प्रदर्शनी आयोजित की गई थी जिसका उपस्थित सभी के द्वारा अवलोकन किया गया।श्री सिंह चौहान ने विदिशा कलेक्ट्रेट परिसर में सिन्दूर का पौधा लगाकर सभी से पौधे लगाने व वटवृक्ष बन जाने तक पौधो का संरक्षण करने का संदेश दिया है। इस दौरान पौधरोपण में प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल सहित विधायकगणो व अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई है।

इस मौके पर कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे, शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा, सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा, विदिशा विधायक मुकेश टंडन आदि मौजूद रहे।

# बारिश रुकने से धान की रोपाई तेज सुबह से शाम तक खेत में जुटे मजदूर

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

क्षेत्र मै दो-तीन दिनों से रुक रूक कर हो रही बारिश के चलते एवं बारिश की रफ्तार कम होने से किसानों को धान की रोपाई के लिए अच्छा समय मिल गया है। पूरे क्षेत्र में किसान धान की रोपाई में जुट गए हैं। अब रोपाई का काम तेजी से चल रहा है ।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान रोपाई के लिए 15 जुलाई तक का समय आदर्श है, लेकिन इसके बाद भी धान लगाई जा सकती है। धान की रोपाई के लिए बाहर भी जा रहे हैं मजदूर थान की रोपाई के लिए जबलपुर जिले में स्थानीय मजदूर कम पड़ जाते हैं, इसलिए कई तेंदूखेड़ा जबेरा क्षेत्र से मजदूरों को बुलाया जाता है। यह काम ठेके पर

होता है। धान रोपाई के लिए मजदूर उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार यहां से जबलपुर नरसिंहपुर सागर आदि जिलों से मजदूरों को भेजते हैं। हर साल हजारो मजदूर जिले से बाहर से जाते हैं। इस क्षेत्र के मजदूर सबसे ज्यादा पाटन जबलपुर क्षेत्र में काम करने के लिए हमेशा जाते हैं धान के अलावा सोयाबीन, मूंग, अरहर, मक्का, आदि फसलों की बोचनी पहले ही पूरी हो चुकी है। बल्कि लगातार बारिश से इन फसलों को कहीं फायदा को तो कहीं नुकसान भी हुआ है।

### 7 लोग कर रहे थे विद्युत की चोरी, 5 हीटर जप्त विद्युत कंपनी ने की कार्रवाई

**तेंदूखेड़ा।** नगर से 6 किलोमीटर दूर धनगौर मुख्यालय में विद्युत कंपनी द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमे 7 उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते पकड़ा गया एवं 5 हीटरों को जप्त कर चालानी कार्यवाही की गई विद्युत की चोरी करने वालों के द्वारा स्मार्ट मीटर में विद्युत केबल पहुंचने के पहले तार कट करके विद्युत की चोरी की जा रही थी जबकि ज्ञात होगी विद्युत कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं उसके बावजूद भी लोग विद्युत चोरी को अंजाम दे रहे हैं इस दौरान विद्युत कंपनी के आए मो फरीद अंसारी, धनगौर मुख्यालय की लाइनमैन के अभिषेक सोनी, मीटर रीडर राम सींग लोधी कुद्दू घोषी, राम कृपाल सेन सहित विद्युत कंपनी का अन्य स्टॉप मौजूद रहा इस संबंध में विद्युत कंपनी के एई मोहम्मद फरीद अंसारी ने बताया कि धनगौर में चेकिंग के दौरान 7 लोगों द्वारा स्मार्ट मीटर लगे होने के बावजूद मीटर की पहले विद्युत लाइन में कट लगाकर विद्युत चोरी की जा रही थी साथ ही पांच लोगों द्वारा विद्युत हीटर चलाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया है

**मेट्रो एंकर** शरीर को स्वस्थ्य व फिट रखने मॉर्निंग वॉक व व्यायाम से बदलीं जिंदगी, अब दूसरों की स्वास्थ्य रक्षा करने बनाया हैप्पी क्लब

# मॉर्निंग वॉकर्स ने सोशल मीडिया पर बनाया हैप्पी क्लब ग्रुप, एक्टिविटीज शेयर कर दे रहे प्रेरणा

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के कुछ उत्साही लोगों ने क्षेत्रवासियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हैप्पी क्लब की स्थापना की है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाना और उन्हें फिट रहने के लिए प्रेरित करना है। क्लब के सदस्य प्रतिदिन सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं और व्यायाम की गतिविधि वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर भी शेयर करते हैं, ताकि लोग सुबह की सैर सपाटा और उससे होने वाले लाभ को समझें। इतना ही नहीं इस क्लब के सदस्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी लोगों में जागरूकता बढ़ाने का काम कर रहे हैं। यह कार्य लगातार पिछले 15 सालों से किया जा रहा है क्लब

के संरक्षक बलराम यादव हैं। अध्यक्ष रोशन दुबे, उपाध्यक्ष लखन लाल यादव हैं। सदस्यों में सुदीप त्रिपाठी, डॉ. जितेंद्र भदोरिया, रत्नेश जैन, कमल नारायण यादव, राजू साहू, मुकेश रैकवार, अंगद सिंह, बबलू कोरी, महेंद्र राजपूत, अनिल चौधरी, लक्ष्मण यादव, राजा शर्मा, मोनू सिंघई, मोनू जैन, राजू नामदेव, अमित नामदेव सहित 50 लोग शामिल है। उनका कहना हैं कि सुबह की सैर सपाटा जरूरी है। मॉर्निंग वॉक पर जाने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। पूर्वज भी सुबह सैर सपाटा करते थे और स्वस्थ रहते थे। इसके महत्व को जाना और खुद अपनाने के साथ लोगों को भी लगातार प्रेरित कर रहे हैं। पहले कुछ लोग ही मॉर्निंग वॉक पर आते थे, अब बड़ी संख्या में लोग आने लगे हैं। धीरे-धीरे यह कारवा बड़ रहा है। गर्मी, बरसात या फिर ठंडी साल के 12 माह सुबह की शुद्ध हवा खाने आते हैं।

हैप्पी क्लब अध्यक्ष पंडित रोशन दुबे बताते हैं कि इस आधुनिक दौर में सेहत को फिट रखना है तो दिनचर्या में मॉर्निंग वॉक अहम है। वह पिछले 15 साल से वॉकिंग पर जा रहे हैं। रोजाना की दिनचर्या में वॉक को अहमियत देते हैं। क्योंकि दिन की शुरुआत अच्छी होनी चाहिए। सुबह-सुबह अपने साथियों के साथ पैदल 5 किलोमीटर दूर तक घूमने से शरीर दिन भर के लिए चुस्त दुरुस्त बना रहता है। सुबह मिलने वाली प्राणवायु शरीर के लिए काफी लाभदायक होती है

पंडित रोशन दुबे तेन्दूखेड़ा

क्लब सदस्य रत्नेश जैन कहते हैं कि सुबह टहलना बॉडी फिटनेस का अच्छा मंत्र। वह पिछले 10 सालों से मॉर्निंग वॉक कर रहे हैं। इससे बहुत फायदे होते हैं। स्वस्थ शरीर से ही सभी काम सहज होते हैं। सुबह की हवा लाखों की दवा के बराबर है। मैं प्रतिदिन मॉर्निंग वॉक पर जाता हूं। प्रतिदिन करीब 5 किलोमीटर वॉक करते हैं और फिर विभिन्न एक्साइज भी करते हैं। लोग सेहत के प्रति जागरूक हो रहे हैं

रत्नेश जैन तेन्दूखेड़ा

सदस्य सुदीप त्रिपाठी कहते हैं कि जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खाना जरूरी है, ठीक उसी तरह फिट रहने के लिए सुबह टहलना भी जरूरी है। कई बार बड़े-बुजुर्गों से भी सुना होगा कि रोजाना सुबह ताजी हवा में टहलने से कई गंभीर बीमारियां कोसों दूर रहती हैं, लेकिन आलस्य के चक्कर में हम सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। हम कुछ दोस्त की टहलने जाते थे, लेकिन बाद में सभी निर्णय कर लोगों को प्रेरित करने की ठानी और इसके लिए एक हैप्पी क्लब बनाया।

सुदीप त्रिपाठी तेन्दूखेड़ा

हैप्पी क्लब के उपाध्यक्ष लखन यादव बताते हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स भी शरीर को फिट रखने के लिए सुबह टहलने की सलाह देते हैं। मैंने भी इसका महत्व जाना और सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाना शुरू किया। इसका लाभ भी बहुत मिला है। सेहत हमेशा अच्छी रहती है और शरीर में स्फूर्ति भी बनी रहती है। हमारा क्लब क्षेत्र वासियों को अपनी सेहत अच्छी रखने के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है और प्रेरणा भी दे रहा है।

लखन यादव तेंदूखेड़ा

हैप्पी क्लब सदस्य डॉ जितेन्द्र भदौरिया कहते हैं कि सुबह टहलने और व्यायाम करने से बेहद लाभ हुआ है। मैंने इसका महत्व जाना और अब हर दिन हमारे साथी एक साथ सैर सपाटा करने जाते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना जरूरी है। इसके लिए आप हेल्दी डाइट के अलावा रोजाना सुबह टहले। नगर वासियों और युवाओं को भी इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है, वे क्लब से जुड़ सकते हैं।

डॉ जितेन्द्र भदौरिया तेन्दूखेड़ा

क्लब सदस्य शाहिद खान कहते हैं कि मानसून में सुबह-सुबह ठंडी हवा के बीच मार्निंग करना अच्छा लगता है। जहां एक साथ कई लोगों के बीच हंसना, योगासन करना एक अच्छा अनुभव होता है। अपनी व्यस्तम दिनचर्या में प्रतिदिन सुबह डेढ़ घंटे का समय निकालकर सभी लोगों के साथ वॉक के लिए जाते हैं। सुबह का माहौल और ठंडी शीतल हवा का आनंद ही कुछ ओर होता है। यदि शरीर को निरोगी रखना है तो सभी को मॉर्निंग वॉक की आदत डालना होगी

शाहिद खान तेन्दूखेड़ा

### भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट, लॉर्ड्स में दूसरे दिन देखने को मिला हाईवोल्टेज ड्रामा...

# इंग्लिश बल्लेबाज से भिड़ गए भारतीय कप्तान शुभमन, किया ऐसा इशारा

लंदन, एजेंसी

**भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन 12 जुलाई का अंत बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ। खेल खत्म होने से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लिश ओपनर जैक क्राउली के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जैक क्राउली ने बैटिंग के दौरान समय बर्बाद करने की कोशिश की, ताकि इंग्लैंड को तीसरे दिन एक ओवर से ज्यादा का सामना नहीं करना पड़े।**

भारतीय टीम 2 ओवर फेंकना चाहती थी, लेकिन जैक क्राउली ये ठानकर आए थे कि वो सिर्फ एक ओवर ही खेलेंगे। इंग्लैंड की दूसरी पारी का पहला ओवर जसप्रीत बुमराह ने फेंका, जो तीसरे दिन के खेल का आखिरी ओवर साबित हुआ। उस ओवर में जैक क्राउली दो बार स्टम्प के सामने से हट गए, ताकि खेल में देरी हो। भारतीय खिलाड़ी इससे काफी नाराज दिखे। स्लिप रीजन पर मौजूद कप्तान शुभमन गिल इंग्लिश बल्लेबाज से कुछ कहते सुनाई दिए। पूरा बवाल उस समय और बढ़ा, जब जसप्रीत बुमराह के ओवर की पांचवीं गेंद जैक क्राउली के ग्लव्स पर जा लगती है। जैक क्राउली दर्द महसूस करते हैं। ऐसे में वो फिजियो को बुलाते हैं जिससे और देरी होती है। इसके बाद तो भारतीय कप्तान शुभमन गिल का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है।

### गिल का संकेत था क्राउली होना चाहते हैं रिटायर

शुभमन गिल अब पवेलियन की ओर इशारा करते हुए हाथों से एक्स साइन बनाते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जब टीम किसी खिलाड़ी को सब्स्टीट्यूट करके इम्पैक्ट सब का प्रयोग करती है तो अंपायर इसी तरह का एक्स साइन बनाते हैं। यानी शुभमन गिल इंग्लिश ड्रेसिंग रूम को ये संकेत दे रहे थे कि क्राउली अब रिटायर होना चाहते हैं। शुभमन गिल का यह इशारा क्राउली को काफी बुरा लगा। क्राउली गुस्से में जवाब देते हैं और उंगली भी दिखाते हैं। दूसरे इंग्लिश बल्लेबाडज बेन डकेट भारतीय कप्तान शुभमन गिल को शांत करने की कोशिश करते हैं। मोहम्मद सिराज और केएल राहुल भी मैदान पर काफी गुस्से में दिखे। उन्होंने भी क्राउली को कुछ तीखे शब्द कहे।

**विंबलडन पुरुष फाइनल**

# खिताबी हैट्रिक लगाने से एक कदम दूर कार्लोस अल्कारेज, फाइनल में मिलेगी सिनर की चुनौती

लंदन, एजेंसी

**पिछले दो बार के विजेता कार्लोस अल्काराज़ रविवार को यहां होने वाले विबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे जबकि उनके कट्टर प्रतिद्वंदी और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ऑल इंग्लैंड क्लब में पहली बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। इस मैच में फ्रेंच ओपन के फाइनल की पुनरावृति होगी जिसमें अल्काराज़ ने पहले दो सेट गंवाने और तीन मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की थी।**

अल्काराज़ ने विंबलडन के खेले गए पहले सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज़ को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर लगातार तीसरी विबलडन चैंपियनशिप जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इसके बाद सिनर की बारी आई और उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में प्रवेश किया। फ्रेंच ओपन के फाइनल के ठीक पांच सप्ताह बाद यह दोनों खिलाड़ी फिर से एक दूसरे के आमने सामने होंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि फ्रेंच ओपन का फाइनल लाल बजरी पर खेला गया था जबकि विंबलडन का फाइनल ग्रास कोर्ट पर होगा।

अल्काराज़ ने फ्रेंच ओपन का फाइनल पांच घंटे 29 मिनट में जीता था और रविवार को यहां इन दोनों के बीच फिर से कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। स्पेन के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि वह उनके करियर का सबसे कड़ा मैच था।

उन्होंने कहा, यह अब तक का मेरा सबसे अच्छा मैच था। मुझे इस बात से कोई हैरानी नहीं है कि उसने मुझे मेरी आखिरी सीमा तक धकेल दिया। उम्मीद है कि रविवार को मैं अपनी सीमा में रहूंगा। यह एक शानदार फाइनल होगा और मैं इसमें खेलने के लिए उत्साहित हूं। अल्काराज़ ने कहा, मैं बस यही उम्मीद करता हूँ कि मुझे फिर से कोर्ट पर साढ़े पांच घंटे न बिताने पड़ें, लेकिन अगर इसकी जरूरत पड़ी तो मैं इसके लिए तैयार हूं। इटली के खिलाड़ी सिनर को भी उम्मीद है कि यह रोमांचक फाइनल होगा।

### उम्मीद है कि मैच रोमांचक होगा

सिनर ने कहा, ''उम्मीद है कि यह मैच भी पिछले मैच की तरह रोमांचक होगा। मुझे नहीं पता कि यह और बेहतर होगा या नहीं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह संभव है।'' अल्काराज का ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल में रिकॉर्ड 5-0 है। सिनर के नाम पर तीन ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। अल्काराज विबलडन में लगातार 24 मैच जीत चुके हैं और वह इस संख्या में इजाफा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो 12 मैच खेले गए हैं उनमें से अल्काराज़ ने आठ और सिनर ने चार मैच जीते हैं। अल्काराज़ ने हालांकि इटली के खिलाड़ी के खिलाफ पिछले पांचों मुकाबले जीते हैं।

# बैजबॉल बनाम टेस्ट, लाड्र्स टेस्ट के आखिरी 2 दिन...

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का रोमांच अपने चरम पर है।अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट मैचों को अलग अंदाज( बैजबॉल) में खेलने वाली इंग्लैंड टीम लॉर्ड्स के मैदान पर पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आयी है।दरअसल लॉर्ड्स टेस्ट मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड टीम का आखिरी पारी में चेस नहीं करने का फैसला यही जताता है।वहीं इसके बाद पहली पारी में 112 ओवर के खेल में 3.4 के औसत 387 रन बनाना इसी ओर इशारा करता है,हालांकि टीम इंडिया ने भी उसी अंदाज में खेलते हुए इस स्कोर की बराबरी करने के लिए 119 ओवर खेले। मतलब साफ है कि यंग टीम इंडिया का रवैया मौजूदा सीरीज में मेजबान टीम के खिलाफ जैसे को तैसा खेल दिखाने का रहा है।सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में दोनों ही टीमों का स्कोर भले ही समान रहा,लेकिन तीसरे दिन का खेल के आखिरी ओवर में इंग्लैंड टीम के बल्लेबाजों का रुख बहुत कुछ बयां करता है।आखिरी एक ओवर के खेल में टीम इंडिया के तेज गेंदबाजों की दहशत साफ नजर आई।ऐसा लगा कि किसी भी हाल में इंग्लैंड के बल्लेबाज दूसरा ओवर खेलना ही नहीं चाह रहे ,उनके बल्लेबाज बिना किसी जायज कारण के समय बर्बाद कर रहे थे।सही मायने में टीम इंडिया के खिलाडिय़ों की यह मनोवैज्ञानिक बढ़त कही जा सकती है।भले ही कोई भी टीम पहली पारी में बढ़त लेने से चूक गयी है लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि आखिरी दो दिन में दोनों टीमों के बीच का यह मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया है।एक ओर जहां इंग्लैंड टीम की निगाहें मैच के चौथे दिन मजबूत स्कोर बनाने पर होंगी,वहीं टीम इंडिया जल्द से जल्द इंग्लैंड की दूसरी पारी समेटना चाहेगी।टीम इंडिया के नजरिये से यह देखना दिलचस्प रहेगा कि इस दौरे में पहली बार आखिरी पारी के निर्धारित लक्ष्य को युवा गिल सेना किस अंदाज में व कितना रन चेस कर सकती है।वहीं देखना यह भी रोचक रहेगा कि मैच की आखिरी पारी में इंग्लैंड के गेंदबाज कितना स्कोर डिफेंड करने की काबलियत रखते हैं।गौरतलब है कि टीम इंडिया के बल्लेबाजों द्वारा सीरीज में अब तक खेली गयी पांचों पारियों में दमदार बल्लेबाजी की है।खैर भारतीय टीम को लॉर्ड्स फतह करने के लिए कितना टारगेट मिलता है यह तो इंग्लैंड के बल्लेबाजों की मैच के चौथे दिन की पारी तय करेगी,लेकिन देखने लायक बात यह रहेगी कि अपनी बैजबॉल तकनीक से कई टीमों को बैकफुट पर लाने वाली मैकुलम-स्ट्रोक्स की जोड़ी कौनसे रुख के साथ मैदान में उतरती है।वैसे इस टेस्ट मैच की एक पारी खत्म होने के बाद अब तक तो ऐसा प्रतीत हुआ है कि इंग्लैंड टीम बहुत दिनों बाद टेस्ट क्रिकेट फार्मूले पर खेल रही है। मैच के चौथे दिन अगर इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज 350 रनों का लक्ष्य हासिल करते हैं तो फिर यही कहा जा सकता है की जीत हो या हार टीम का फॉर्मूला बैजबॉल ही है।जबकि अगर यह टीम आज रनों से ज्यादा विकेट बचाने की रणनीति से खेलती है तो फिर यही समझ जाएगा कि लॉर्ड्स के इस रोमांचक मैच में टेस्ट क्रिकेट की जीत हुई है।इसी वजह से मेरे नजरिये में लॉर्ड्स टेस्ट मैच के आखिरी दो दिन बैजबॉल बनाम टेस्ट रहने वाली है,क्योंकि टीम इंडिया ने सीरीज में अब तक इंग्लैंड टीम को जवाब उसी के अंदाज में दिया है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

**मनोरंजन**

**बॉलीवुड का कोना**

## पंचायत में प्रेग्नेंट खुशबू से लड़ीं क्रांति देवी, नाराज फैंस ने दी बददुआ, एक्ट्रेस बोलीं- लोग कितने...

पंचायत सीरीज से लोगों का जुड़ाव कितना ज्यादा है, इसके बारे में क्रांति देवी यानी एक्ट्रेस सुनीता राजवर ने दिखाई है। उन्होंने सीरीज में एक सीन का जिक्र किया जिसके लिए उन्हें ऑनलाइन काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। सुनीता ने बताया कि सीरीज में विकास की पत्नी खुशबू संग उनकी लड़ाई वाले सीन ने फैंस को काफी निराश कर डाला था। सुनीता राजवर ने इंटरव्यू में पंचायत सीरीज के कारण मिलने वाली ऑनलाइन नफरत पर बात की। उनका कहना है कि लोग उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज करके काफी बुरा-भला कहते हैं। सीरीज में एक सीन के दौरान जब उनकी प्रेग्नेंट खुशबू संग हाथापाई हो गई थी, तब भी उन्हें फैंस के आक्रोश का सामना करना पड़ा था। हालांकि वो सीन कहानी और स्क्रिप्ट का हिस्सा था, लेकिन फैंस को वो पसंद नहीं आया।

सुनीता ने कहा, मुझे लोग बहुत बुरी-बुरी गालियां दे रहे हैं। वो कह रहे हैं कि आप प्रेग्नेंट खुशबू के लिए इतनी गंदी बातें कैसे कह सकती हैं? कोई मुझे कोस रहा है, कोई बद्दुआ दे रहा है। एक तरफ जहां मुझे लोग शो में प्रधान बनने के लिए बधाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ मेरी बातों के लिए लोग गालियां दे रहे हैं। मेरे इंस्टाग्राम का मैसेज बॉक्स लोगों की गालियों से भरा हुआ है। लेकिन इसने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपना किरदार सही से प्ले किया।

**मीना कुमारी-मधुबाला की बायोपिक करना चाहती हैं तृप्ति,**

**बुलबुल की सफलता से लौटा आत्म-विश्वास**

# बोलीं- धड़क 2 जैसी फिल्मों की है जरूरत

**तृप्ति डिमरी जल्द ही सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वो मधुबाला या मीना कुमारी जैसी आइकॉनिक शख्सियतों की बायोपिक करना चाहती हैं। बातचीत में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 'लैला मजनू' की असफलता ने उन्हें निराश किया था, लेकिन 'बुलबुल' की सफलता ने उनका आत्मविश्वास दोबारा लौटा दिया।**

'धड़क 2' को लेकर आप कितनी उत्साहित हैं? जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। सीक्वल में काम करना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है, लेकिन मेरे हिसाब से प्रेशर लेना या न लेना, ये पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं दबाव नहीं लेती। मेरा मानना है कि जब आप दबाव में काम करते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। असली जादू तब होता है जब आप बिना किसी दबाव के पूरी ईमानदारी से और अपने डायरेक्टर व टीम पर भरोसा रखते हुए काम करें। शूटिंग के दौरान हमने हर दिन को सहजता से लिया, एक-दूसरे पर भरोसा रखा और दिल से काम किया। शायद इसी वजह से स्क्रीन पर भी सब कुछ दिल से जुड़ा हुआ लगता है।

चहरं डायरेक्टर शाजिया इकबाल के साथ जुड़ाव को लेकर कहा कि करण जौहर सर का कॉल आया और उन्होंने कहा कि एक बेहद टैलेंटेड डायरेक्टर हैं शाजिया इकबाल। इन्होंने 'बेबाक' नाम की शानदार शॉर्ट फिल्म बनाई है। उन्होंने मुझसे कहा कि पहले वो फिल्म देखो, फिर शाजिया तुमसे मिलेंगी। फिल्म देखने के बाद मैं बहुत इंप्रेस हुई और अगले दिन ही शाजिया और राइटर राहुल से मिली। उनकी नरेशन इतनी दिलचस्प थी कि बातचीत खत्म होने के बाद भी हम किरदारों पर चर्चा करते रह गए। कनेक्शन वहीं से हो गया।

आपके दिल में कौन-सा रोल करने की तमन्ना है? इस सवाल पर तृप्ति ने कहा कि ऐसे बहुत सारे रोल हैं जो मैं करना चाहती हूं। लेकिन अगर खास तौर पर कहूं तो मुझे अब एक्शन करना है। अभी तक कभी एक्शन नहीं किया और मुझे लगता है कि वो एक ऐसा जॉनर है जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल करते हैं, फाइट सीक्वेंस होते हैं। उस जोन में काम करना फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से डिमांडिंग होता है।

आज के दौर में ग्रे और निगेटिव किरदारों को खूब सराहा जाता है। इस सवाल पर तृप्ति ने कहा कि काजोल मैम ने गुप्त में कमाल का काम किया था। अगर उस तरह का कोई रोल मिले, तो मैं जरूर करना चाहूंगी। अब वो जमाना नहीं रहा जब निगेटिव रोल्स को सिर्फ विलेन समझा जाता था। आज के दौर में अगर आप एक ग्रे या निगेटिव कैरेक्टर को गहराई और सच्चाई के साथ निभाते हैं, तो ऑडियंस उसे अलग तरह से तारीफ करते हैं।

# ब्रेकअप के बाद दर्द में एक्टर! आया पैनिक अटैक- रातोंरात जाना पड़ा हॉस्पिटल, बोला- सिंगल हूं...

उड़ारिया फेम अंकित गुप्ता की फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रही है। अंकित उन एक्टर्स में से हैं, जो कम पर अच्छा बोलते हैं। हाल ही में फराह खान उनके घर पहुंचीं। अंकित ने फराह से लाइफ की वो अपडेट शेयर की, जिसे जानकर उनके चाहने वाले हैरान हो जाएंगे। एक्टर ने बताया कि वो सिंगल हैं और कुछ दिन पहले उन्हें पैनिक अटैक आया था।

**अंकित को आया था पैनिक अटैक** – फराह खान संग बातचीत में अंकित कहते हैं- मैंने नॉनवेज खाना छोड़ दिया है। कुछ दिन पहले मुझे गैस्ट्रिक की दिक्कत हुई थी। पैनिक अटैक भी आया था, जिसके बाद मुझे

रात में ही अस्पताल में एडमिट होना पड़ा। इस पर फराह ने कहा कि %ये कब हुआ। हमें तूने क्यों नहीं बताया ये सब। बताना चाहिए था।

**रिलेशनशिप में हैं अंकित?**– %उड़ारिया% के बाद अंकित गुप्ता बिग बॉस 16 में नजर आए थे। शो में उनकी और प्रियंका चाहर चौधरी की दोस्ती चर्चा में रही। दोनों एक-दूसरे का इतना ख्याल रखते थे कि लोगों ने इन्हें कपल का टैग दे दिया। बिग बॉस के बाद भी दोनों साथ नजर आते थे। लेकिन कुछ समय से इनके ब्रेकअप की चर्चा है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने प्यार या ब्रेकअप पर कभी कुछ नहीं कहा।

### जब मैं बिग बॉस में गया था तब सिंगल था

**फराह खान ने अंकित से पूछा कि तुम सिंगल हो या नहीं। क्योंकि बिग बॉस के वक्त हम लोग बहुत कंफ्यूज थे। जवाब में एक्टर कहते हैं कि मैं जब बिग बॉस में गया था, तब सिंगल था। मैं अभी भी सिंगल हूं, लेकिन मिंगल होने के लिए रेडी हूं। इस पर फराह हंस देती हैं। अंकित के इस ऐलान से उनके चाहने वाले शॉक्ड हैं। क्योंकि फैन्स प्रियंका और अंकित की जोड़ी को काफी पसंद करते थे। ये भी माना जा रहा है कि उन्होंने इशारों ही इशारों में प्रियंका संग ब्रेकअप कंफर्म कर दिया है।**

## पैदल घर लौंटते छात्र से मोबाइल झपटकर भागे बाइक सवार

**भोपाल।** अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित परिहर चौराहा पर बीती रात बाइक सवार बदमाशों ने छात्र के हाथ से मोबाइल झपट लिया। घटना रात करीब 11:00 बजे के आसपास की है। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

**अशोका गार्डन क्षेत्र की वारदात**

पुलिस के अनुसार 23 साल का संकेत जैन पिता राकेश जैन मूलतः गुना का रहने वाला है। इन दिनों वह नावेद हाइट अशोका गार्डन में रह रहा है और और पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात घर से जैन मंदिर गया था। मंदिर से दर्शन करने के बाद रात करीब 11 बजे पैदल घर की तरफ लौट रहा था। मोबाइल पर बातचीत करते हुए वह परिहार चौराहा पर पहुंचा था, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार दो बदमाश आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वह कुछ समझ पाता इससे पहले ही बदमाश तेजी से बाइक चलाते हुए भाग निकले। झपटे गए मोबाइल की कीमत 20 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर दिया है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है।

## ईटखेड़ी में यात्री बस पलटी, आधा दर्जन यात्री घायल

**भोपाल।** ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव निपानिया जाट में शनिवार रात करीब साढ़े से आठ बजे के बीच एक तेज रफ्तार बस पलट गई। हादसे के समय बस में चालीस से ज्यादा सवारी थी। इनमें आधा दर्जन लोगों को चोट आई है। हालांकि अभी तक तीन लोगों की जानकारी अस्पताल से आई है। दरअसल, हादसा होने के बाद अधिकतर यात्री निजी साधन से अपने घर चले गए?थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा अचानक सड़क पर आए मवेशी को बचाने के फेर में हुआ, जबकि कुछ का कहना है कि बस तेज रफ्तार में थी और एकाएक ब्रेक लगाते ही पलट गई। हादसे के बाद से ही बस का ड्राइवर फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

## 9 सूत्रीय मांगों को लेकर मैदान में डटे बिजली कर्मचारी

**भोपाल।** प्रदेशभर के बिजली कर्मचारी आज राजधानी में जुटे हैं। वे संविदा कर्मचारियों को नियमित करने सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम फॉर पावर एम्प्लॉईज एंड इंजीनियर्स के बैनर तले आंदोलन कर रहे हैं। नीलम पार्क पर इस प्रदर्शन में बडी संख्या में बिजली विभाग के कर्मचारी भाग लें रहे हैं। फोरम के प्रवक्ता लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि 4 जुलाई तक सरकार से चर्चा होने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई पहल नहीं हुई। मजबूरन अब हमें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो आगे काम बंद हड़ताल भी हो सकती है।

# फरार चल रहा हत्या के प्रयास का आरोपी समेत दो गिरफ्तार

### दस नंबर मार्केट के पास घटना को अंजाम देने की फिराक में पहुंचे थे

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

कमला नगर पुलिस ने करीब तीन माह पूर्व चाकू से प्राणघातक हमला कर फरार हुए शातिर बदमाश और उसके साथी को दस नंबर मार्केट के पास से गिरफ्तार किया है। दोनों फरार आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पहुंचे थे।

पुलिस के अनुसार नया बसेरा कोटरा निवासी प्रताप पाटिल ने विगत 9 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि सुबह करीब साढ़े 11 बजे मोनू ठाकुर ने पुरानी रंजिश के चलते उस पर चाकू से जानलेवा हमला किया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी मोनू ठाकुर के खिलाफ हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। आरोपी मोनू ने इससे पहले टीटी नगर के न्यू मार्केट इलाके में दुकान में तोडफोड़ की वारदात को अंजाम दिया था। इसी प्रकार पांच जुलाई को आरोपी लक्की राजपूत ने पुरानी रंजिश के चलते पुराना शबरी नगर में फरियादी नितिन करोसिया की गाडि?ों में तोडफोड़ कर शराब पीने के लिए पैसे मांगे। नहीं देने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में भी आरोपी लक्की राजपूत के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।

विवेचना के दौरान सूचना मिली कि आरोपी मोनू ठाकुर और लक्की राजपूत दस नंबर मार्केट पर किसी घटना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम दस नंबर मार्केट पहुंच गई और घेराबंदी कर आरोपी मोनू ठाकुर उर्फ मोहन सिंह (32) निवासी मल्टी नया बसेरा और आरोपी लक्की राजपूत उर्फ नाइट्रा (24) निवासी न्यू अंबेडकर नगर कोलार रोड को हिरासत में ले लिया। आरोपी मोहन ठाकुर के खिलाफ कुल 18 अपराध दर्ज हैं, जबकि आरोपी लक्की राजपूत के खिलाफ कुल 27 अपराध विभिन्न थानों में दर्ज हैं। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

## बीड़ी मांगने पर विवाद, तलवार से युवक पर जानलेवा हमला

**भोपाल।** टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित सुनहरी बाग कटसी इलाके में शुक्रवार शाम मामूली बात को लेकर हुए विवाद के चलते बदमाश ने एक युवक पर तलवार से प्राणघातक हमला कर दिया। आरोपी ने फरियादी से एक बीड़ी मांगी थी। इनकार करने पर वह मारपीट करने लगा और तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या का प्रयास की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सुनहरी बाग कटसी निवासी कमलेश पाल (45) इलेक्ट्रानिक्स का काम करता है। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह अपने घर के पास खड़ा बीड़ी पी रहा था। उसी दौरान कुछ दूरी पर रहने वाला नंदेश बारोतिया उर्फ बबलू तोतला वहां आया और कमलेश से बीड़ी मांगने लगा। कमलेश ने बीड़ी देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर बबलू उससे झगड़ा करने लगा। विवाद बढ़ने पर बबलू तोतला ने उससे मारपीट शुरू कर दी और फिर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि कमलेश ने तलवार के वार अपने हाथ से रोक लिए। उसके हाथ बुरी तरह जख्मी हुए हैं। आरोपी बबलू तोतला के खिलाफ चार-पांच अपराध पंजीबद्ध हैं।

**युवक ने हाथ से रोका तलवार का वार**

### पंद्रह साल की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दो साल बाद गिरफ्तार

# सौतेले भाई ने किया दुष्कर्म, किशोरी ने दिया बेटी को जन्म, आरोपी गिरफ्तार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

कोहेफिजा पुलिस ने पंद्रह साल की सौतेली बहन से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को सागर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दो साल पहले किशोरी से दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म के बाद किशोरी गर्भवती हो गई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया था। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने किशोरी के बयान दर्ज करने चाहे, लेकिन वह आरोपी के बारे में कुछ बता नहीं सकी। परिजन से भी पूछताछ में आरोपी का पता नहीं चल सका था। पुलिस अज्ञात आरोपी पर प्रकरण दर्ज उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने बताया कि मामला नाबालिग से दुष्कर्म का होने के कारण साथ ही नाबालिग के मां बनने से पुलिस के सामने आरोपी की गिरफ्तारी का चैलेंज था। पुलिस पड़ताल कर रही थी, लेकिन पीड़िता और उसके परिजन जांच पड़ताल में सहयोग नहीं कर रहे थे। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए और पीड़िता की मां के दूसरे पति से पूछताछ की। इस दौरान उससे पुलिस को आरोपी का क्लू मिला। पुलिस ने एक बार फिर पीड़िता की मां से पूछताछ की। यह पता चलते ही पति ने आरोपी का बता दिया है मां ने भी आरोपी के बारे में जानकारी दे दी।

### परिवार में गमी होने के कारण आया था भोपाल

पुलिस ने आरोपी को सागर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि पीड़िता के परिवार में रिश्तेदार की मौत होने पर वह सागर से भोपाल आया था। इस दौरान तीन से चार दिन रुका। इसी बीच उसने नाबालिग से दुष्कर्म किया। इसके बाद वह सागर चला गया था। जब नाबालिग को सात महीने का गर्भ हुआ तो परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल से पुलिस को सूचना मिल गई।

## पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने पीया कीटनाशक, मौत

**भोपाल।** सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित गांव पुरामनभावन में एक युवक ने कीटनाशक पी लिया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां करीब बीस दिन चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने पारीवारिक विवाद के बाद कीटनाशक पीया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार विकास अहिरवार पिता ओम प्रकाश अहिरवार (25) गांव पुरामन भावन, सूखीसेवनिया में रहता था और प्राइवेट काम करता था। गत 22 जून को उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उसका इलाज चल रहा था। शनिवार दोपहर उसकी अचानक तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विकास का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। आज रविवार को शव का पीएम कराया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसका परिवार में विवाद हुआ था और गुस्से में उसने कीटनाशक पी लिया था।

**बीस दिन से चल रहा था निजी अस्पताल में इलाज**

## इलेक्ट्रॉनिक व्यवसायी के सूने मकान से नगदी समेत लाखों की चोरी

**भोपाल।** गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित सुविध विहार कॉलोनी में इलेक्ट्रॉनिक व्यवसायी के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी सहित जेवरात चुराकर ले गए। बदमाश उनके घर से करीब 55 लाख रुपए का माल चुराकर ले गए है। वारदात के समय व्यवसायी परिवार के साथ शहर से बाहर गए हुए थे। पुलिस ने अज्ञात नकबजनों पर पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर रही है।

**गांधी नगर के सुविध विहार कालोनी में बदमाशों ने की वारदात**

पुलिस के अनुसार सुनील वरलानी अपने परिवार के साथ सुविध विहार कालोनी गांधी नगर में रहते हैं। उनकी झूलेलाल मार्केट में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की शॉप हैं। दो दिन पहले वह गुरुपूर्णिमा के अवसर पर पूजन के लिए परिवार के साथ कटनी गए थे। शुक्रवार रात वह कटनी से भोपाल लौटे तो घर के मुख्य गेट पर लगा ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि सारा सामान बिखरा पड़ा है। बदमाश घर से 7 लाख रुपए की नगदी और करीब 50 लाख रुपए कीमत के जेवरात लेकर गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अज्ञात नकबजनों पर प्रकरण दर्ज किया है। निरीक्षण के दौरान पता चला कि घर में लगा एक सीसीटीवी कैमरा पिछले कुछ दिनों से खराब था। अब पुलिस इलाके में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

## शहर में हो रही झमा-झम बारिश

## मीडिएशन फॉर द नेशन के तहत मध्यस्थता जागरूकता बाइक रैली

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजधानी स्थित जिला न्यायालय परिसर?में मीडिएशन फॉर द नेशन कैंपेन 90 दिवसीय अभियान अंतर्गत मध्यस्थता जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। मध्यस्थता जागरूकता बाइक रैली का उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्रारंभ किए गए मीडिएशन फॉर द नेशन कैंपेन 90 दिवसीय अभियान को जन-जन तक पहुंचाना था, जिससे आम जन अपने न्यायालयों में लंबित विवादों का निराकरण मध्यस्थता से कर अभियान का लाभ उठाएं। बाईक रैली के पहले प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मीडिएशन फॉर द नेशन कैंपेन 90 दिवसीय अभियान के सफल आयोजन के लिए जिला भोपाल के समस्त न्यायाधीशों के साथ बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में तहसील न्यायालय बैरसिया के समस्त न्यायाधीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का लक्ष्य यही है कि विवादों को मध्यस्थता से त्वरित समाधान हो। बाइक रैली प्रधान जिला न्यायालय परिसर से शुरू होकर कोर्ट चौराहा, जेल मुख्यालय तिराहा, पुलिस कंट्रोल रूम, पुलिस आयुक्त कार्यालय के सामने से, राजभवन तिराहा, मालवीय नगर तिराहा, रोशनपुरा चौराहा, अपेक्स बैंक तिराहा, तरुण पुष्कर तिराहा, 1250 चौराहा, व्यापम चौराहा, थाना एम.पी. नगर. चौराहा, कोर्ट चौराहा होते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल में समाप्त हुई।

## अनुशासनहीनता का मामला अब कार्यपरिषद की बैठक में पहुंचा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) में लंबे समय से र अनुशासनहीनता और आंतरिक विवाद की स्थिति है। इसके डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विभाग के दो सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष अहिरवार और उदय चौरसिया पर विभिन्न आरोप लगे हैं, जिनमें संविदा प्राध्यापकों से टकराव, पुनर्नियुक्ति में पक्षपात, वॉक-इन इंटरव्यू में बाधा, छात्रों के मूल्यांकन में दुर्भावना, और शारीरिक झगड़े जैसी घटनाएं शामिल हैं।अब एक बार फिर कांट्रेक्ट फैकल्टी द्वारा रेगुलर फैकल्टी पर आरोप लगाए जा रहे हैं। यह मुद्दा गत दिवस हुई कार्य परिषद की बैठक में पहुंचा। यूआईटी के डायरेक्टर प्रो. सुधीर सिंह भदौरिया कार्यपरिषद में एक प्रस्ताव बनाकर ले गए और प्रस्ताव को पटल पर रखकर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। लेकिन रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन ने आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि इन विषयों में उसी दौरान एक्शन क्यों नहीं लिया गया? दरअसल 2023 में प्रो. संजय सिलाकारी की पुत्री शुभ्रा शिलाकारी को जानबूझकर फेल करने के मामले में जांच समिति ने दोनों प्राध्यापकों को दोषी ठहराया था। इसी प्रकार 2022 में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संविदा प्राध्यापक देवांश जैन से मारपीट के मामले में रिटायर्ड न्यायाधीश डॉ. दिनेश नायक की रिपोर्ट में भी दोनों को शिक्षक की गरिमा के विपरीत आचरण का दोषी पाया गया।

**मेट्रो एंकर** आरएनटीयू एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कार्यशाला

# कचरा निस्तारण और मन के विकारों के शोधन तक, बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार जरूरी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भाषा, संस्कृति, मूल्य, कौशल एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के जिस संगम की आज आवश्यकता है, वह यहां साकार रूप ले रहा है। देश तभी आत्मनिर्भर बनेगा जब समाज में समरसता, स्वच्छता, आत्मानुशासन और पर्यावरणीय चेतना का संचार होगा। कचरे के निस्तारण से लेकर मन के विकारों के शोधन तक, हमें हर स्तर पर बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार अपनाना होगा। शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य यही है, जीवन को विवेकपूर्ण बनाना। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, चरित्र निर्माण भी है। यह बात डॉ. ओम शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक, आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने कही।

राजधानी स्थित रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय

एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला का केंद्रीय विषय चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास था, जिसका उद्देश्य पंचकोशीय शिक्षा पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना और व्यक्तित्व के समग्र विकास पर मंथन करना था।

### इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओम शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक, आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. आर. पी. दुबे, कुलगुरु आरएनटीयू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव आरएनटीयू, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूजा चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022